राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष–24 | अंक–04 | अक्टूबर, 2023 | कुल पृष्ठ–32 | मूल्य–₹ 15

राज्य परिषद का 73वाँ वार्षिक अधिवेशन

कोटा में आयोजित वार्षिक अधिवेशन में राज्य उपाध्यक्ष श्री आत्माराम टीबड़ा, श्रीमती मिथलेश शर्मा, श्रीमती सुमन श्रृंगी, डॉ. रूपराज भारद्वाज एवं राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन (बाएं से दाएं) तथा उपस्थित सभासद व लोक–नृत्य की प्रस्तुति देती स्थानीय गाइड्स

राज्य परिषद के वार्षिक अधिवेशन के दौरान उत्कृष्ट स्थानीय संघ का पुरस्कार वितरण

प्रथम स्थान :
स्थानीय संघ बहरोड़,
अलवर

द्वितीय स्थान :
स्थानीय संघ
रामनिवास बाग,
जयपुर

द्वितीय स्थान :
स्थानीय संघ रोहट,
पाली

लीडर ट्रेनर ऑनरेबल चार्ज से सम्मानित श्रीमती शशि शर्मा, श्री कृष्णकांत पाटीदार एवं श्री शब्बीर खान (बाएं से दाएं)

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 24 अंक : 04
अक्टूबर, 2023

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

काना राम, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर्स-स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
एस.के.सोलंकी, आई.ए.एस.(से.नि.)
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति-समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित कुमार मोरोडिया

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
दिशाबोध	4
संपादकीय	4
विशेष : राज्य परिषद 73वाँ वार्षिक अधिवेशन	5
राज्य स्तरीय जनजाति महोत्सव एवं 63वां रोवर मूट व 49वीं रेंजर मीट	6
स्काउटिंग का आधार : कबिंग	10
अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधिया : 19वाँ गर्ल स्काउट इंटरनेशनल ऑनलाइन कैम्प	11
गाइड कैप्टन व रेंजर लीडर बेसिक कोर्स	12
तेजा मेले में जल वाटिका	12
आईए जानें कि स्काउटिंग क्या है ?	13
गतिविधि दर्पण	14
मेरी माटी मेरा देश	24
रक्तदान	24
हमारा स्वास्थ्य : तनाव : बचाव में ही उपचार	25
पर्यटन स्थल : चाँद बावड़ी	26
दक्षता पदक	28
हमारे महापुरुष : वीर राव अमर सिंह राठौड	29
गतिविधि पञ्चांग	30

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/- संस्थागत शुल्क:150/-	1200/-

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

स्काउट गाइड स्थापना दिवस

स्काउट एक ऐसा संगठन है जो बाल्यावस्था से युवावस्था तक सही मार्ग प्रशस्त करने में अग्रणी है। बालक–बालिकाओं के जीवन को **''चरित्र, स्वास्थ्य, स्वावलम्बन एवं सेवा''** जैसे चार मजबूत स्तम्भों का आधार प्रदान करता है यह संगठन, जिस पर इनके उज्जवल भविष्य का निर्माण होता है। प्रदायक की भाँति इस संगठन का हर संभव प्रयत्न रहता है कि इसकी छत्र–छाया में तैयार हो रहे बालक–बालिकाओं का सर्वांगीण विकास हो ताकि वे समाज एवं राष्ट्र के उत्थान में सहायक सिद्ध हो सकें।

बाल्यावस्था से ही मार्गदर्शन प्रदान करने वाले इस संगठन में स्काउट गाइड दिवस 7 नवम्बर को एवं बच्चों के प्रिय चाचा नेहरू का जन्मदिन बाल दिवस 14 नवम्बर को मनाया जाना है। नवम्बर माह के दोनों दिवस बच्चों से सम्बद्ध और बच्चों को समर्पित है। इस महीने को भारत स्काउट व गाइड संगठन के एकीकरण के रूप में सदा याद रखा जाता है और इस दिवस का हमारे लिए विशेष महत्व है। इस दिन प्रत्येक स्काउट गाइड को समाज सेवा व भलाई का कार्य करते हुए जनता के निकट आने का प्रयास करना है, जिससे स्काउटिंग–गाइडिंग जन–जन के हृदय तक पहुंच सके। इस दिन पूरे राष्ट्र में फ्लेग स्टीकर की बिक्री अभियान का आगाज़ भी किया जाना है, जो स्काउट गाइड को स्वावलम्बन के प्रति जागृत करती है। यूं कहा जा सकता है कि यह दिन स्वावलम्बन व सेवा को समर्पित करना है। स्काउट गाइड को इस संगठन की महत्ता से अवगत कराते हुए फ्लेग डे मनाना है और यथा संभव सेवा कार्य कर जनचेतना जगानी है।

उल्लास और उमंग का त्यौहार दीपावली भी हमें पूरे जोश के साथ मनानी है। बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक दीपों के पर्व दीपावली पर आप सभी को ढ़ेरों शुभकामनाएं।

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

स्काउट **गाइड** संगठन में सेवाव्रत धारी सदस्यों के लिए किसी प्रकार की सेवानिवृत्ति का प्रावधान नहीं है। व्यक्ति ताउम्र निःस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं देने के लिए स्वतंत्र हैं। अपनी इसी विशिष्टता के कारण इस संगठन का अस्तित्व कभी मिट नहीं सकता। **'एकदा स्काउट सर्वदा स्काउट'** की भावना के साथ आज समाज के अनेक अग्रज एवं बुजुर्ग भी समाज सेवा के क्षेत्र में क्रियाशील है। एक बार जिसने वर्दी पहन ली वो सदैव के लिए इसका सदस्य कहलाता है।

यही कारण है कि स्काउटिंग का मौलिक रूप यथावत बना हुआ है Old is Gold को चरितार्थ करते हुए, इसकी जड़ों का जमाव गहराता ही जा रहा है। आजादी के पूर्व व आज तक भी महात्मा गांधी, हृदयनाथ कुंजरू, पंडित जवाहर लाल नेहरू, पं. मदन मोहन मालवीय, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद जैसे सैंकड़ों मनीषियों एवं आजादी की लड़ाई के सिपहसालारों तक ने स्काउटिंग की जड़ों को सुदृढ़ बनाने हेतु अपनी महत्ती भूमिका का निर्वहन किया। यही कारण है कि स्काउटिंग आज भी अपनी लोकप्रियता बरकरार रखे हुए है एवं निरन्तर रखती रहेगी।

गत माह कोटा में प्रदेश स्काउट गाइड संगठन की राज्य परिषद 73वां वार्षिक अधिवेशन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सभासदों की स्काउटिंग के प्रति अपनेपन का भाव देखकर पुनः विश्वास हो गया कि स्काउटिंग/गाइडिंग को एक आन्दोलन ही नहीं ईमान व धर्म मानकर जीवन जीना अपेक्षित एवं गर्व की बात है। स्काउटिंग सेवा पथ के पथिकों में एक सेवाबोध और सेवा के प्रति निर्लिप्त भाव से ऊपर उठकर समर्पण भाव होता है। सभी सेवा पथ के पथिकों का यदि कोई पंथ है तो वह है – स्काउटिंग।

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

विशेष

राज्य परिषद 73वाँ वार्षिक अधिवेशन

नीरज जैन
सहा.संपादक

शिक्षा नगरी कोटा में प्रदेश स्काउट गाइड राज्य परिषद के 73वें वार्षिक अधिवेशन का आयोजन

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के तत्वावधान में राज्य परिषद का 73वाँ वार्षिक अधिवेशन 30 सितम्बर 2023 को स्काउट गाइड संगठन की वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सुमन श्रृंगी की अध्यक्षता में देश में विख्यात शिक्षा नगरी कोटा के सेंट जॉन्स सी.सै. स्कूल के सभागार में आयोजित किया गया। अधिवेशन में संगठन के उपाध्यक्ष श्रीमती मिथिलेश शर्मा, आत्माराम टीबड़ा, डॉ. रूपराज भारद्वाज, राज्य सचिव डॉ. पी सी जैन, सहायक स्टेट कमिशनर विमल चौहान, शकुंतला वैष्णव, राज्य संगठन/प्रशिक्षण आयुक्त पूरण सिंह शेखावत, बन्ना लाल सहित 120 से अधिक सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

संगठन उपाध्यक्ष ने प्रदेश संगठन द्वारा किये जा रहे कार्यों और राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च स्थान बनाये रखने के लिए प्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने कहा कि स्काउट गाइड संगठन को समाज में सेवा के पर्याय के रूप में पहचाना जाता है। हमारे लिए गर्व की बात है कि हम इस सेवाभावी संगठन के सदस्य हैं। आगे भी यह संगठन इसी प्रकार अपने कार्य करता रहे और राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी की भूमिका का निर्वहन करता रहे, यही कामना है।

स्काउट प्रार्थना के साथ प्रारम्भ अधिवेशन में सर्वप्रथम राज्य सचिव डॉ. पी. सी. जैन ने प्राप्त संदेशों का वाचन कर पिछली बैठक की अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए वित्त समिति की अभिशंसाओं को सदन के समक्ष रखते हुए अंकेक्षित लेखों को प्रस्तुत कर सदन से अनुमोदित कराया।

सदन को वार्षिक उपलब्धियों से अवगत कराया, जिन पर विचार–विमर्श उपरान्त निर्णय लिये गये। परिषद सदस्यों ने अपने सुझाव रखे और प्राप्त प्रस्तावों पर निर्णय लिये गये तथा सदैव इस संगठन के उद्देश्यों के अनुरूप कार्यों को गतिशील रखने का संकल्प लिया।

परिषद के सभी सदस्यों ने वर्ष के दौरान स्काउट गाइड द्वारा किये गये कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी पदाधिकारियों, स्काउटर गाइडर व स्काउट गाइड को धन्यवाद ज्ञापित किया।

अधिवेशन के प्रारंभ में स्थानीय गाइड्स ने स्वागत नृत्य तथा लोक नृत्य की प्रस्तुति दी।

अधिवेशन की अंतिम कड़ी में वर्ष पर्यन्त उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्थानीय संघों व अधिवेशन के आयोजन में सहयोग करने वाले भामाशाहों को सम्मानित किया गया।

अन्त में सभी उपस्थित सदस्यों एवं पदाधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापन तथा राष्ट्रगान के साथ बैठक की कार्यवाही सम्पन्न हुई।

राज्य स्तरीय जनजाति महोत्सव एवं 63वां रोवर मूट व 49वीं रेंजर मीट

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड राज्य मुख्यालय, जयपुर के वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार प्रतिवर्ष की भांति जनजाति स्काउट व गाइड गतिविधियों के आयोजन के अन्तर्गत प्रदेश के जनजाति बाहुल्य जिलों उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, राजसमंद, सिरोही, पाली व बारां जिले के स्काउट्स गाइड्स के लिए 06 से 10 अक्टूबर 2023 तक स्काउट गाइड प्रशिक्षण केन्द्र उदयनिवास, उदयपुर पर राज्य स्तरीय स्काउट गाइड जनजाति महात्सव आयोजित किया गया। प्रदेश के जनजाति के 09 जिलों के चयनित स्काउट्स गाइड्स व लीडर्स सहित 268 ने इसमें भाग लेकर अपने-अपने क्षेत्र की जनजाति सांस्कृतिक परम्पराओं एवं गतिविधियों का आदान प्रदान किया।

प्रदेश के महाविद्यालयों एवं विद्यालयों एवं ओपन रोवरिंग/रेंजरिंग के युवाओं की गतिविधियों का आदान प्रदान करने के लिए 63वां रोवर मूट एवं 49 वीं रेंजर मीट का आयोजन भी किया गया। प्रदेश के 33 जिलों से 210 रोवर्स, रेंजर्स व लीडर्स ने सहभागिता की।

राज्य स्तरीय जनजाति स्काउट्स गाइड्स महोत्सव एवं रोवर मूट/रेंजर मीट में शिविर कला (कैम्प क्राफ्ट), लोक नृत्य एवं लोक गीत, जनजाति फूड प्लाजा, झांकी प्रदर्शन, जनजाति परम्परागत खेल, ग्रामीण मेला, हेण्डी क्राफ्ट एवं प्रदर्शनी, साहसिक गतिविधियां, वेशभूषा, पद यात्रा (नगर भ्रमण), पोस्टर बनाना, निबन्ध लेखन, नारा लेखन, भाषण, डांस, वाद्य यंत्र, साहसिक एवं फन गतिविधियां इत्यादि प्रतियोगियों का प्रदर्शन किया गया।

उद्घाटन समारोह

राज्य स्तरीय स्काउट गाइड जनजाति महोत्सव कार्यक्रम व मूट/मीट का उद्घाटन समारोह 06 अक्टूबर को सायं 5.00 बजे उपखण्ड अधिकारी भुवाणा श्री रमेश जी के मुख्य आथित्य में सम्पन्न हुआ।

श्री पी.एस. शेखावत राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) द्वारा जनजाति स्काउट गाइड महोत्सव एवं रोवर मूट/रेंजर मीट में आगन्तुक अतिथियों का शाब्दिक स्वागत करते हुए शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। समारोह के सम्भागियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

श्री रमेश जी ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट गाइड गतिविधियों को देखने का पहला अवसर प्राप्त हुआ है। आप द्वारा मन से इस कार्यक्रम में सहभागिता की जा रही है। स्काउट गाइड द्वारा प्रशासन के सभी कार्यों की सफलता में अहम भूमिका होती है। प्रशासन द्वारा चुनाव कोराना महामारी, प्रशासन गांवों एवं शहरों के संग, युवा

महोत्सव, ग्रामीण व शहरी ओलंपिक खेलों के आयोजन एवं अन्य कार्यक्रमों को सफलता में स्काउट गाइड का योगदान रहता है। इस अवसर पर जनजाति स्काउट गाइड एवं रोवर रेंजर द्वारा प्रस्तुत किये गये कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति रही।

रोवर मूट रेंजर मीट एवं जनजाति स्काउट गाइड महोत्सव समारोह की अध्यक्षता करते हुए उप अधीक्षक सी.आई.डी उदयपुर श्रीमती चेतना भाटी ने सभी सम्भागियों के होसलें की तारीफ करते हुए कहा कि स्काउट, गाइड, रोवर एवं रेंजर अपनी मंजिल स्वयं तय करते हैं।

उद्घाटन समारोह में स्थानीय विद्यालय एम एम वी स्कूल एवं रायन इन्टरनेशनल स्कूल उदयपुर के कब/बुलबुल, स्काउट/गाइड द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गई, जिससे कार्यक्रम में चार चांद लगे हैं।

कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) सुश्री सुयश लोढ़ा ने अतिथियों को स्कार्फ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया। सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) उदयपुर श्री प्रमोद कुमार शर्मा द्वारा सभी आगन्तुक महानुभावों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) अजमेर श्री विनोद दत्त जोशी द्वारा किया गया।

स्काउटर, गाइडर, रोवर एवं रेंजर मेट की मीटिंग का आयोजन कर आवश्यक निर्देश प्रदान किये गये। सायंकाल वाद्ययंत्र वादन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। उदयपुर सम्भाग के स्काउट/गाइड एवं रोवर मूट/रेंजर मीट के सम्भागियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई।

द्वितीय दिवस

प्रातःकाल 05.30 बजे प्रभात फेरी के साथ जागरण किया गया। प्रातः 06.30 बजे प्रार्थना एवं बी.पी सिक्स व्यायाम प्रदर्शन हुआ। सम्भागियों द्वारा शिविर केन्द्र पर सेवा कार्य में श्रमदान कर सफाई की गई। प्रातः 08.30 बजे शिविर निरीक्षण किया गया। शिविर निरीक्षण, पोस्टर, निबन्ध एवं नारा लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ।

द्वितीय दिवस प्रातःकाल ध्वजारोहण कार्यक्रम में स्थानीय गांव लकड़वास की सरंपच श्रीमती निरमा जी एवं स्थानीय प्रतिनिधि श्री हुक्मी जी मुख्य अतिथि के रूप में पधारे। अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया।

जनजाति स्काउट गाइड महोत्सव एवं 63वां रोवर मूट व 49वीं रेंजर मीट में सहभागियों के लिए साहसिक एवं फन गतिविधियां जैसे- टायर टर्नर, तिरंदाजी, चिमनी, कमाण्डो क्रोल, मंकी ब्रिज, जम्पिंग आदि बेसेज़ के माध्य से एडवेंचर गतिविधियों की प्रतियोगिताएं हुई, जिसमें

सभी संभागियों ने अपने साहस का प्रदर्शन करते हुए इनका लुत्फ उठाया।

साहसिक गतिविधियों का हुआ शुभारम्भ

मुख्य अतिथि महोदय ने साहसिक गतिविधियों का उद्घाटन किया। स्काउट गाइड जनजाति महोत्सव एवं रोवर मूट/रेंजर मीट के सहभागियों के लिए 19 प्रकार की गतिविधियो जैसे -होरिजेन्टल बार, टायर वॉल, चिमनी, कमाण्डो क्रोल, आंख बंद कर तिलक लगाना, मंकी ब्रिज, कमाण्डो ब्रिज, मंकी क्रोल, बेलेन्स बीम, टचिंग पाइन्ट, एयरगन, तीरंदाजी, हैंगिंग टायर, पेड़ पर चढ़ना, रिंग फंसाना, डब्बे गिराना, लेडर क्रासिंग, ब्लाईंड ट्रेल, हाइक इत्यादि गतिविधियों का आयोजन किया गया।

ग्रामीण क्षेत्रों में लुप्त हो रहे परम्परागत खेलों (गुलाम डण्डा, कोर्डा, गिल्ली डन्डा, मालदड़ा, सितोलियां, राउन्डर बिल्ला आदी) को जीवनदान देने के लिए जनजाति स्काउट गाइड व रोवर मूट/रेंजर मीट के दौरान इन खेलों का आयोजन किया गया। इसके साथ ही निबन्ध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, स्किल-ओ-रामा, फूड प्लाजा में विभिन्न क्षेत्रों से आए सम्भागियों ने अपने क्षेत्र विशेष के व्यंजनों का फूड प्लाजा के माध्यम से एक-दूसरे जिले के क्षेत्र के स्वादिष्ट व्यंजनों का आदान प्रदान किया।

कैम्प फायर के दौरान लोक गीत व लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें संभागियों ने जिलावार मनमोहक प्रस्तुतियां दी। कैम्प फायर संयुक्त निदेशक, महात्मा गांधी, उदयपुर श्री पुष्येन्द्र कुमार शर्मा, सहायक निदेशक, महात्मा गांधी, उदयपुर श्री नरेन्द्र कुमार टांक की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

तृतीय दिवस

प्रातःकाल 05.30 बजे प्रभात फेरी के साथ जागरण हुआ व प्रातः 06.30 बजे प्रार्थना एवं बी.पी सिक्स व्यायाम प्रदर्शन किया गया। 07.30 बजे शिविर निरीक्षण किया गया। शिविर निरीक्षण के उपरान्त मतदाता जागरूकता रैली एवं नगर भ्रमण हेतु सभी संभागियों का प्रस्थान हुआ। नगर भ्रमण में नगर निगम से गुलाब बाग तक मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इसके उपरान्त नवलखा महल, बाग, वर्ल्ड पार्क, सहेलियों की बाड़ी, सुखाड़िया सर्कल, प्रताप गौरव केन्द्र, फतह सागर होते हुए शिविर केन्द्र उदयनिवास पर वापसी हुई।

रात्रि में एथनिक फैशन शो का आयोजन हुआ, जिसमें जनजाति क्षेत्र के स्काउट गाइड ने अपने क्षेत्र विशेष की वेशभूषा धारण कर केटवॉक किया। साथ ही रोवर मूट/रेंजर मीट में आए रोवर्स रेंजर ने जिलेवार एथनिक फैशन शो में सहभागिता करते हुए कार्यक्रम को चार चांद लगाए।

चतुर्थ दिवस

प्रातःकाल जागरण एवं बी. पी सिक्स व्यायाम के पश्चात 07.30 बजे शिविर निरीक्षण किया गया। शिविर निरीक्षण के उपरान्त आपदा प्रबंधन की तैयारी का प्रदर्शन, प्रदर्शनी, जनजाति क्षेत्र की जिलावार झांकी निकाली गई। साथ ही एसडीजी और एमओपी गतिविधियां भी आयोजित हुई। मुख्य अतिथि के रूप में गोविन्द गुरू जनजातिय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा के कुलपति प्रो. केशव सिंह ठाकुर ने संभागियों द्वारा सांस्कृतिक, रहन सहन, खान-पान, संग्रह, वेशभूषा आदि की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया एवं प्रदर्शनी को देखकर अभिभूत हुए। प्रो. ठाकुर ने कहा कि प्रदर्शनी आयोजन से जनजाति क्षेत्र के स्काउट/गाइड/रोवर रेंजर को संस्कृति से रूबरू होने का अवसर प्राप्त होता है। भविष्य में मैं स्वयं भी स्काउट गाइड गतिविधियों में सम्मिलित होकर विस्तृत जानकारी प्राप्त करूंगा। बांसवाड़ा संभाग में सत्र 2023-24 से सभी दो वर्षीय बी.एड एवं 4 वर्षीय इन्टीग्रेड कोर्सेज में अनिवार्य रूप से भारत स्काउट व गाइड से प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

अंतिम दिवस एवं समापन समारोह

संयुक्त रूप से संचालित दोनों शिविरों के समापन समारोह में वरिष्ठ प्रबंधक आर.एस.एम.एम.एल.

समापन समारोह में संभागियों को संबोधित करते हुए अतिथि गण एवं अतिथियों का सम्मान करते हुए शिविर संचालक

के जनजाति उपायुक्त श्री सुरेश कुमार खटीक, श्रीमती अमृता दाधीच, डी.ई.ओ, जनजाति क्षेत्रीय कार्यालय, राज्य सचिव डॉ. पी.सी जैन, नेशनल एंड स्टेट कमिश्नर (रोवर) श्री निर्मल पंवार कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

श्री खटीक ने अपने उद्बोधन में सभी को इस समारोह की बधाई दी एवं अपनी परम्परा को आगे बढ़ाने के लिए स्काउट गाइड को एक अहम माध्यम बताया। समाज में स्काउट गाइड की एक अहम भूमिका होती है जिसके कारण वे समाज व सभी कार्यों में सम्मान बढता है। उन्होंने सभी सम्भागियों से आह्वान किया कि वे समाज में फैली हुई कुरीतियों जात-पात, भेदभाव को मिटाने में सहयोग करें तथा एक-दूसरे का सम्मान कर राष्ट्र को प्रगति की ओर बढ़ाने के लिए आगे बढ़कर कार्य करने की प्रेरणा दी। भारत स्काउट गाइड संगठन को समय-समय पर सहयोग का आश्वासन भी दिया।

श्री निर्मल पंवार, राष्ट्रीय एवं राज्य स्टेट कमिश्नर (रोवर) ने रोवर मूट/रेंजर मीट एवं जनजाति स्काउट गाइड महोत्सव की टीम को बधाई देते हुए बताया कि इसी टीम ने 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी को सफल बनाया था। साथ ही जिन रोवर्स, रेंजर्स, स्काउट्स, गाइड्स ने चुनाव कार्य, आपदा प्रबंधन एवं कोरोना काल में सेवाएं दी, उनको भी बहुत बहुत बधाई दी।

डॉ. पी.सी.जैन राज्य सचिव ने अपने उद्बोधन में जनजाति एवं रोवर मूट रेंजर मीट में आये ग्रुपों को बधाई दी एवं इनके द्वारा दिये गये सांस्कृतिक प्रोग्राम एवं बड़ी अच्छी तैयारी के साथ आकर इस महोत्सव का सफल बनाने में सहयोग देने के लिए धन्यवाद दिया। अपने उद्बोधन में उन्होंने बताया कि यह एक छोटी जम्बूरी का रुप है। यहां पर सभी प्रकार की गतिविधियां आयोजित की गई। जनजाति ग्रुपों को वे आगे बढाने के लिए राज्य मुख्यालय, जयपुर से हर सम्भव प्रयास करेंगे। डॉ. जैन ने बताया कि में जनजाति ग्रुपों एवं रोवर रेंजर के सेवा कार्यो से ही 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी जैसा सफल आयोजन संभव हो पाया है।

रोवर मूट/रेंजर मीट एवं जनजाति स्काउट गाइड महोत्सव के संभागियों द्वारा पूरी तैयारी के साथ कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सभी अतिथियों ने कार्यक्रमों की सराहना की तथा इसके लिए सभी यूनिट लीडर्स को बधाई दी। कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) सुश्री सुयश लोढ़ा द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

रात्रि में सभी जिलों द्वारा सांस्कृतिक प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिलों द्वारा अपने अपने क्षेत्र की परम्परा के अनुसार सांस्कृतिक प्रोग्राम प्रस्तुत किये, जिसने इस कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

दिनांक 10.10.2023

प्रातः 05.30 बजे प्रभात फेरी के साथ जागरण हुआ। प्रातः 07.00 बजे सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन किया गया।08 बजे शिविर बाइंड अप निरीक्षण कर सामग्री यथा स्थान पर पहुंचाई गई। प्रातः 11.00 बजे सभी संभागियों को प्रमाण पत्र तथा ग्रुपों को स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये। राज्य स्तरीय रोवर मूट रेंजर मीट के आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले स्टाफ तथा दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

दोपहर 2 बजे परम पिता परमेश्वर को इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए ध्वजावतरण एवं राष्ट्रगान के साथ शिविर का समापन किया गया।

स्काउटिंग का आधार : कबिंग

प्रस्तोता – रामावतार सबलानियां

प्राथमिक शिक्षा जो कि शैक्षिक जीवन की नीव होती है, में अध्ययनरत बालकों की आयु 5 से 10 वर्ष के मध्य होती है। स्काउटिंग की शाखा कबिंग में इसी आयु वर्ग के बालकों को प्रशिक्षण देकर उनके जीवन में निखार ला सकते हैं। कबिंग में प्रशिक्षित बालक आदर्श स्काउट बन सकता है।

भवन मजबूत बने इसके लिए आवश्यक है कि भवन की नींव सही एवं मजबूत भरी जावे। नींव पर ही भवन का भविष्य निर्भर करता है। शिक्षा रूपी ढांचा (भवन) की नींव है प्राथमिक शिक्षा। शिक्षा का स्तर अच्छा हो तो इसके लिए प्राथमिक शिक्षा की ओर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य बालक का सर्वांगीण विकास करना होता है। जिससे बालक देश के सुनागरिक बन सके। स्काउटिंग एक अच्छी सह–शैक्षिक गतिविधि है। जिसके माध्यम से बालक में चरित्र, स्वास्थ्य हस्तकला, सेवा एवं संरक्षण जैसे संस्कारों का पाठ पढ़ाया जाता है। बालक में जीवन जीने की कला एवं सद्गुणों का विकास बालक के मन मानस में भरा जाता है।

प्राथमिक शिक्षा जो कि शैक्षिक जीवन की नीव होती है, में अध्ययनरत बालकों की आयु 5 से 10 वर्ष के मध्य होती है। स्काउटिंग की शाखा कबिंग में इसी आयु वर्ग के बालकों को प्रशिक्षण देकर उनके जीवन में निखार ला सकते हैं। कबिंग में प्रशिक्षित बालक आदर्श स्काउट बन सकता है।

कबिंग क्या है–

- ✓ कबिंग छोटे बालकों की एक सहशैक्षिक गतिविधि है।
- ✓ कबिंग एक अच्छी गतिविधि है और आनन्ददायी खेल है, जिसमें बालक खेल खेल में अच्छी आदतों को अपनाता है एवं कई गुणों का विकास कर सकता है।
- ✓ कबिंग स्काउटिंग की पहली सीढ़ी है जिस पर से होकर वह आदर्श स्काउट बन जाता है।
- ✓ पांच से दस आयु वर्ग के बालकों के लिए लार्ड बैडेन पॉवेल ने कबिंग प्रारम्भ की थी।
- ✓ कबिंग का पाठ्यक्रम जंगल की पृष्ठभूमि में बनाया गया है तथा इसका आधार मोगली की कहानी है।
- ✓ कब बालक कबिंग की शिक्षा प्राप्त कर एक आदर्श स्काउट बन जाता है।

जीवन भर की शिक्षा में इस आयु वर्ग (5 से 10 वर्ष) में प्राप्त शिक्षा का महत्व अलग ही होता है। प्राथमिक शिक्षा की गतिविधियां क्रियाकलाप, शिक्षकजन, महत्वपूर्ण एवं साधारण घटना भी जीवन पर्यन्त याद रहती है। इस आयु के बालकों को कबिंग से जोड़कर हम बालक में निम्न गुणों को विकसित कर सकते हैं, जो भविष्य में एक अच्छा स्काउट एवं आदर्श नागरिक बनने के लिए आवश्यक है –

❖ **बड़ों की आज्ञा पालन :** ''कब बड़ों की आज्ञा मानता है।'' कब का पहला नियम बालक पर लागू होता है। बड़ों की आज्ञा मानने का अर्थ–बड़ों का आदर, सम्मान, सद्गुणों का विकास, उच्च एवं आदर्श संस्कार, अनुशासन की महत्ता जैसे गुण बालक में आते हैं जो एक आदर्श स्काउट के लिए आवश्यक हैं।

❖ **स्वच्छ एवं विनम्रता :** ''कब स्वच्छ एवं विनम्र होता है।'' कब का यह दूसरा नियम है। इस नियम के अनुसार बालक में स्वच्छ रहने की आदत स्वयं में बनेगी साथ ही वह अपने भाई–बहिनों में भी इस आदत को पनपाने की कोशिश करेगा। इस आदत से बालक अपने दाँतों, नाखुनों, बालों, शरीर के अंगों, अपने पहनने के कपड़ों, बिस्तर, बस्ता, कक्षा कक्ष, घर का कमरा आदि की सफाई करके नियम की पालना करेगा। विनम्र व्यवहार से बालक सभी को प्रिय लगते हैं। इस व्यवहार से उनकी आवश्यकता वाली वस्तुओं की पूर्ति आसानी से हो जाती है। यह आदत बालक को आदर्श स्काउट बनाती है।

❖ **कर्तव्य बोध :** कब को दीक्षा के समय ही यह प्रतिज्ञा दिलवाई जाती है। "मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि मैं यथा शक्ति ईश्वर और अपने देश के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करूंगा, कब नियम को मानूंगा और प्रतिदिन भलाई का एक कार्य करूंगा।"

उक्त प्रतिज्ञा का पालन करने की कोशिश कब बालक यथा सम्भव करता है। तथा भविष्य में करने का प्रयास करता रहता है। स्काउट जीवन में इस प्रतिज्ञा का बहुत महत्व है।

मोगली की कहानी :

कबिंग की उत्पत्ति मोगली की कहानी से ही हुई है। समस्त पाठ्यक्रम जंगल की पृष्ठभूमि से है तथा सभी पात्र "कब बालक, कब मास्टर, सहायक कब मास्टर भी जंगल के जानवरों पर ही आधारित हैं इसके पाठ्यक्रम में बालक सीखकर नये व आदर्श गुणों पर चलेगा, जैसे– सहिष्णुता। कब बालक मोगली को अपना आदर्श मानता है। मोगली जंगली जानवरों के पैरों में से कांटे निकालने का काम करता है एवं सुखद अनुभव प्राप्त करता है। इसी प्रकार दयाभाव, मैत्रीभाव, सहयोग, आज्ञा पालन, रक्षा नीति, जंगली जानवरों की गतिविधियों को ध्यान से परखना एवं अवलोकन करना, वन विद्या प्राप्त कर बालक आदर्श स्काउट एवं आदर्श नागरिक बनते हैं।

अतः स्काउटिंग से ज्यादा कार्य कबिंग पर करने की आवश्यकता है, ताकि छोटे–छोटे बालकों में वो नींव रूपी सुदृढ़ गुण विकसित हो सके जिस पर स्काउटिंग की भव्य इमारत बनाई जा सके।

सहायक लीडर ट्रेनर,
जिला – झुन्झुनू

अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधि

19वाँ गर्ल स्काउट इंटरनेशनल ऑनलाइन कैम्प कोरिया 2023

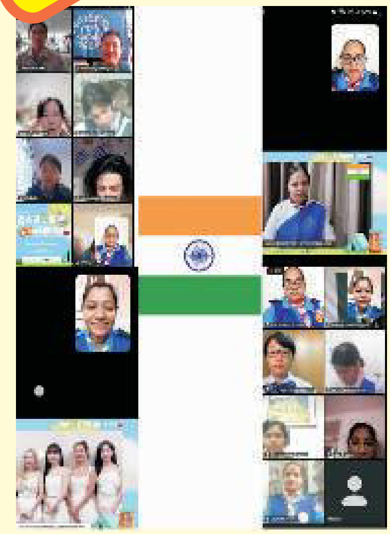

19वें गर्ल स्काउट इंटरनेशनल ऑनलाइन कैंप कोरिया 2023 का समापन 5 अक्टूबर को भारतीय समय में 8.30 बजे कोरिया के चीफ कमिश्नर गर्ल स्काउट के द्वारा हुआ। जिला ऑर्गेनाइजर निशु कंवर ने बताया कि पांच दिवसीय इस शिविर में जोधपुर जिला ऑर्गेनाइजर निशू कंवर के नेतृत्व में 11 रेंजर एवं व्यस्क लीडर सदस्यों का दल राजस्थान की ओर से भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा था। 2 अक्टूबर 2023 से शुरू हुए इस पांच दिवसीय इवेंट के अंतर्गत विश्व के विभिन्न राष्ट्रों के गर्ल गाइड शामिल हुए है। भारत से कुल 22 सदस्यों ने इसमें भाग लिया, जिसमें राजस्थान के जोधपुर से जिला ऑर्गेनाइजर निशू कंवर के साथ रेंजर प्रियंका सोलंकी, सोनिया देवड़ा, अंजली घुस्सर, अवंतिका राजपुरोहित, चंद्रकांता परिहार, जयश्री बेरवाल व प्रियंका बेरवाल एवं अलवर से 1 रेंजर लीडर एवं चूरू से 2 कुल 11 सदस्य सम्मिलित हुए हैं।

इस ऑनलाइन इवेंट का उद्देश्य WAGGGS एशिया प्रशांत क्षेत्र की अनुमानित 1600 लड़कियों और युवा महिलाओं को वस्तुतः अंतर्राष्ट्रीय विनिमय गतिविधियों में भाग लेने का अवसर प्रदान करना है। इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन की थीम "Together In The Nature" प्रकृति में एक साथ रखी गई थी। इसके अंतर्गत सभी राष्ट्र के सदस्य मिलकर कैंप के दौरान की जाने वाली विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में शामिल रहें। इसके अंतर्गत एक क्विज प्रतियोगिता गोल्डन बेल के साथ-साथ मिनी योगा व सिस्टर बैग पैकिंग भी रही, जिसके अंतर्गत सहभागियों से सवाल पूछे गए। इस अवसर पर राज्य संगठन आयुक्त पूरण सिंह शेखावत, प्रशिक्षण आयुक्त बन्नालाल एवं गाइड आयुक्त सुयश लोढ़ा ने सभी सहभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित की।

जापान में भारतीय संस्कृति का पाठ पढ़ाएंगे डोडुआ विद्यालय के स्काउटर शिक्षक सरुपाराम माली

टीचर ऐंज प्रोग्राम के लिए देश के 10 शिक्षकों में माली का चयनित

■ मरूधर आईना
www.marudharaaina.com

सिरोही । एशिया पैसिफिक कल्चरल सेंटर फॉर युनेस्को के तत्वावधान में जापान में आयोजित होने वाले 8 वें टीचर एक्सेंज प्रोग्राम के लिए सेंटर फॉर एनवायरमेंट एजूकेशन एवं शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा देश के 10 शिक्षकों में राजस्थान से सिरोही जिले के डोडुआ विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक सरुपाराम माली का चयन हुआ है। सी ओ स्काउट एम आर वर्मा ने बताया कि सरूपा राम माली रा उ मा वि डोडुआ में स्काउट प्रभारी है और इन्होंने विद्यालय के कई स्काउट्स को तृतीय सोपान व राज्य पुरस्कार अवॉर्ड दिलाए है और युनेस्को की ओर से संचालित यह शैक्षिक कार्यक्रम 17 से 24 सितम्बर तक शिक्षा, संस्कृति, खेल एवं तकनीकी मंत्रालय जापान सरकार के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। चयनित शिक्षक टोक्यो और तोचिगी शहर के विद्यालयों में भारतीय योगा, पारंपरिक नृत्य, भारतीय गणित एवं संगीत जैसे विषयों के साथ विद्यार्थियों और शिक्षको से रुबरू होंगे। मंत्रालय के दो प्रतिनिधियो के साथ ही विभिन्न राज्यों से चयनित दस शिक्षक अपने राज्य की धरोहर, खान-पान, वेशभूषा, जैवविविधता, व्यवसाय, त्योहार आदि विषयों पर स्लाइड शो के माध्यम से प्रस्तुति देंगे। जापानी विद्यालयों का अवलोकन करके पारम्परिक शारीरिक अभ्यास, पेड़ पौधों की सुरक्षा हेतु बाड लगाने के पारंपरिक तरीके, संगीत, गणित और अंग्रेजी पढ़ाने की विधियां समझेंगे। दोनों देशों की शिक्षा प्रणालियों के संबंध में अनुभव साझा करने के लिए विद्यार्थियों, शिक्षकों और शिक्षा मंत्रालय के विशेषज्ञों के साथ समुहवार विचार विमर्श कार्यक्रम का आयोजन होगा। प्रधानाचार्य सोनु मिस्त्री ने बताया कि सरुपाराम माली लंबे समय से अध्यापन के साथ-साथ अतिरिक्त समय में पर्यावरण संरक्षण, स्काउटिंग, एजुकेशन फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट, अर्थियन - पर्यावरण मित्र कार्यक्रम, क्लाइमेट चेंज, यंग रिपोर्टर फोर एनवायरनमेंट जैसे विषयों पर कार्य करते हुए विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सहभागिता करवाते रहे है। इनके द्वारा विद्यालयों के अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ किए गए कार्यों एवं अलग-अलग चरणों में आयोजित ऑनलाइन साक्षात्कार के आधार पर मंत्रालय द्वारा अंतिम रूप से चयन किया गया है। गौरतलब है कि गत माह भारत स्काउट गाइड के राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा क्लाइमेट चेंज पर शिक्षकों के लिए ट्रेनिंग माड्यूल तैयार करने वाली टीम में भी इन्हें शामिल किया गया था। उनकी यात्रा, ठहरने की व्यवस्था का समस्त व्यय जापान सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

गाइड कैप्टन व रेंजर लीडर बेसिक कोर्स

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में दिनांक 4 से 10 अक्टूबर 2023 तक गाइड कैप्टन बेसिक कोर्स व रेंजर लीडर बेसिक कोर्स का आयोजन मंडल मुख्यालय बनीपार्क, जयपुर पर किया गया। शिविरों में 16 गाइड कैप्टन व 14 रेंजर लीडर द्वारा सहभागिता की गई।

उक्त गाइड कैप्टन बेसिक कोर्स का संचालन श्रीमती बसंती शर्मा सहा. लीडर ट्रेनर (गाइड) द्वारा व रेंजर लीडर बेसिक शिविर का संचालन सुश्री निर्मला माथुर सहा.लीडर ट्रेनर (रेंजर) द्वारा किया गया।

उक्त सात दिवसीय शिविर में प्रतिनियुक्त स्टाफ श्रीमती सुनीता मीणा, सुश्री हिमांशी जैन द्वारा शिविर संचालकों के नेतृत्व में गाइडर को प्रवेश से लेकर तृतीय सोपान तक के पाठ्यक्रम का संपूर्ण ज्ञान जैसे प्रार्थना, नियम, प्रतिज्ञा, साइन, सैल्यूट, मोटो, प्राथमिक चिकित्सा, अनुमान लगाना, गांठे, पायनियरिंग, दिशा ज्ञान, ध्वज की जानकारी, कंपास, मानचित्र का ज्ञान, ग्रुप संचालन, योग्यता वृद्धि, गणवेश आदि की जानकारी प्रदान की गई।

शिविर में श्रीमती ऋतु शर्मा सी.ओ. गाइड द्वारा शिवरार्थियों को वन्य जीव सप्ताह के उपलक्ष में अरण्य भवन, झालाना जयपुर में आयोजित संगोष्ठी में सहभागिता करवाई गई व मोती डूंगरी गणेश मंदिर तक हाईक का आयोजन भी किया गया।

शिविर समापन के पूर्व रात्रि को विशाल कैंप फायर का आयोजन किया गया, जिसमें सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) श्रीमती नीता शर्मा ने संभागियों को आशीर्वचन दिए व आगे गाइड गतिविधियों के संचालन हेतु प्रेरित किया गया। सी.ओ. गाइड श्रीमती इंदु तंवर द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

दिनांक 10 अक्टूबर 2023 को प्रातः प्रार्थना सभा के पश्चात ओपन सेशन किया गया तथा ध्वजावतरण के साथ शिविर का समापन हुआ।

तेजा मेले में जल वाटिका

भारत स्काउट व गाइड के ब्यावर स्थित 42वें आजाद स्वतंत्र रोवर दल द्वारा तेजा मेले में प्रतिवर्ष लगाई जाने वाली जल वाटिका का इस वर्ष भी विधिवत उद्घाटन समारोह पूर्वक हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक शंकर सिंह रावत, अध्यक्षता सहायक स्टेट कमिश्नर विमल चौहान, विशिष्ट अतिथि सभापति नरेश कन्नोजिया ने संस्थापक बैडन पावेल के चित्र पर माला अर्पण कर फीता काटकर इसका उद्घाटन किया।

विधायक श्री रावत ने कहा कि स्काउटिंग संस्था सदैव सेवा कार्यों में अग्रणी रहती है। विगत अनेक वर्षों से तेजा मेले में आने वाले मेलार्थियों के लिए शीतल पानी की व्यवस्था संस्था द्वारा किया जाना प्रशंसनीय है। सहायक स्टेट कमिश्नर विमल चौहान ने कहा कि सेवा के उद्देश्य से शुरू किया यह संगठन वर्तमान में विश्वव्यापी है। श्री कन्नौजिया ने संस्था के प्रयासों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

कार्यक्रम संयोजक राकेश जनागल के अनुसार इस अवसर पर संस्था के प्रधान मुकेश अग्रवाल, पुरुषोत्तम माहेश्वरी, मंगल गहलोत, विजय मेहरा, जवाजा सचिव सुरेश चन्द फुलवारी, मसूदा सचिव मोहन सिंह चौहान, ब्यावर सचिव बावुद्दीन, समाज सेवी मदन मोहन मोदी, बलराज सिंह राठौड़, मुरली मनोहर जाटव, नेमीचन्द श्रीमाली, अशोक श्री श्रीमाल सहित अन्य सदस्यों ने अतिथियों का माला पहना कर स्वागत किया। जल वाटिका पर संस्था के सदस्य, विभिन्न विद्यालयों के स्काउट गाइड नियमित रूप से बारी–बारी अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे।

आईए जानें कि स्काउटिंग क्या है?

नवयुवकों के लिए यह एक स्वयंसेवी, गैर–सरकारी, शैक्षिक आंदोलन है। जो किसी मूल जाति और वंश के भेदभाव से मुक्त प्रत्येक व्यक्ति के लिए खुला है। यह 1907 में संस्थापक लार्ड बेडेन पॉवेल द्वारा संकल्पित किये गये लक्ष्य, सिद्धान्त तथा पद्धति के अनुरूप है।

- यह देश–भक्त, बहादुर, फुर्तीले, सक्रिय, बुद्धिमान, अग्रगामी तथा दूरदर्शी नागरिकों का निर्माण करने वाली संस्था है।
- उत्तम नागरिकता की पाठशाला है।
- खाली समय का सदुपयोग है।
- एक शैक्षिक आन्दोलन है।
- एक स्वैच्छिक अशासकीय संगठन है,
- एक खेल, किन्तु शिक्षाप्रद खेल है।
- प्रसन्नतादायक वातावरण है।
- नेतृत्व का प्रशिक्षण है।
- प्रकृति से तादात्म का सु–अवसर है।
- पाठ्य–सहगामी सर्वोत्तम कार्यक्रम है।
- व्यक्ति का चारित्रिक विकास, शारीरिक विकास और बौद्धिक विकास कर, समाज–सेवा और ईश्वर के प्रति कर्तव्य–बोध कराने वाली अद्वितीय संस्था है।
- भाई–चारा तथा विश्व–बंधुत्व का पाठ पढ़ाने वाली संस्था है।

उद्देश्य :-

आन्दोलन का उद्देश्य नव युवकों के विकास में इस तरह योगदान करना है जिसमें उनकी पूर्ण शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक अन्तः शक्तियों की उपलब्धि हो। व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नागरिकों के रूप में तथा स्थानीय, राष्ट्रीय समुदायों के सदस्यों के रूप में प्राप्त किया जा सके।

स्काउटिंग आह्वान कर रहा है कि! हमारे घेरे में आओ! कैरियर के साथ अच्छा व्यक्ति बनने के लिये। हम आपको अच्छा व्यक्ति बनाना चाहते हैं। अच्छा इन्सान बनने के लिए सत्त प्रयत्न करना होगा। जो इन्द्र धनुष देखना चाहते हैं उन्हें वर्षा जनित असुविधाओं से भी रूबरू होना ही पड़ेगा। स्काउटिंग का छोटा सा उद्देश्य है– युवाओं को बेहतर बनाना ताकि वे अपनी ईश्वर प्रदत्त क्षमताओं का बेहतर उपयोग कर सकें।

स्काउटिंग व्यक्ति में छिपे गुणों को उभारना जानती है। युवाओं के व्यक्तित्व में छिपे गुणों को विकसित करने के बहु आयामी कार्यक्रम स्काउटिंग के पास हैं ताकि युवाओं में बाल्यकाल से ही कुशलता व प्रभावी गुणों का बीजारोपण किया जा सके एवं व्यक्तित्व के मूल्यांकन में अभिवृद्धि हो सके। हर व्यक्ति में आगे बढ़ने और प्रतिस्पर्धा करने के सभी गुण विद्यमान हैं, जरूरत है उन्हें तराश कर धारदार और सार्थक बनाने की। जो युवा पीढ़ी को इन्सान बनाने यानि मानवीय गुणधर्मिता को विकसित करने के साथ सुव्यवस्थित करियर विकसित करने में मदद करने की क्षमता रखता है। अपनी अभिरूचि के अनुसार अपने अभ्यास वर्ग व विषय चुनने के साथ मार्गदर्शन व सहयोग देने को भी तत्पर है। स्काउटिंग सदैव ही व्यक्ति में अच्छा नजरिया व सकारात्मक सोच विकसित करने में सक्षम है। तकनीकी प्रशिक्षण तो मात्र 15 प्रतिशत ही सफलता की भागीदारी प्रदान करता है। 85 प्रतिशत सफलता तो सुलझे हुए व्यक्तित्व के कारण ही तो मिलती है।

स्काउटिंग अभिभावकों को आह्वान करता है कि अपने बच्चों को स्काउटिंग के साथ जोड़े ताकि वे अच्छा इन्सान बनने का नजरिया सीखें, अच्छी प्रवृत्तियां अपनाये। कोई भी अनुष्ठान व कार्यक्रम जीवन की परिस्थितियों को तुरन्त परिवर्तित नहीं कर सकता किन्तु इन परिस्थितियों को सहजता व सरलता से सहन करने की प्रवृति और शक्ति प्रदान कर सकता है और ऐसा करने का माद्दा स्काउटिंग में है। यह युवाओं के मन मस्तिष्क को अपनी इच्छानुसार नियंत्रित कर उसे सकारात्मक ढंग से विकसित करने की क्षमता रखता है।

स्काउटिंग सदैव ही व्यक्ति में अच्छा नजरिया व सकारात्मक सोच विकसित करने में सक्षम है। तकनीकी प्रशिक्षण तो मात्र 15 प्रतिशत ही सफलता की भागीदारी प्रदान करता है। 85 प्रतिशत सफलता तो सुलझे हुए व्यक्तित्व के कारण ही तो मिलती है।

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित शिविरों, गतिविधियों इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

अजमेर मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भीलवाड़ा द्वारा महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। जिला कार्यालय पर सर्वप्रथम प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजेंद्र मार्ग व अन्य स्कूलों के स्काउट गाइड ने भाग लेकर महात्मा गांधी व शास्त्री जी को याद किया। इस मौके पर सभी धर्मों को याद करते हुए गांधी जी के प्रिय भजनों को गुनगुनाया गया। आयोजन में स्काउट गाइड के स्थानीय संघ आजीवन सदस्य कुणाल ओझा ने गांधी जी वह शास्त्री जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए स्वतंत्रता संग्राम के समय शहीद हुए क्रांतिकारियों के बारे में भी जानकारी दी। सी.ओ. स्काउट विनोद घारू ने बताया कि स्काउट गाइड का आदर्श वाक्य तैयार रहो है और आज इस

मौके पर सभी स्काउट गाइड ने श्रमदान करके स्वच्छ व स्वस्थ रहने का संदेश दिया। सी.ओ. गाइड अनीता तिवारी ने बताया कि इस मौके पर स्काउट गाइड ने भीलवाड़ा के कृषि उपज मंडी के आसपास के क्षेत्र की सफाई करते हुए एक रैली निकालकर आमजन को संदेश दिया कि हमें कचरे को डस्टबिन में ही डालना चाहिए ना की सड़कों पर। 'स्वच्छ रहेंगे तो स्वस्थ रहेंगे' का संदेश देते हुए सभी ने जिला कार्यालय पर पहुंचकर स्वच्छ भारत बनाने की शपथ ली। स्काउट गाइड ने ठाना है स्वच्छ भारत बनाना है के नारे के साथ एक आवाज में सभी स्काउट गाइड ने उत्साह पूर्वक श्रमदान किया। इस मौके पर एडवोकेट उदय लाल बोराणा, एडवोकेट हंसराज यादव, गाइड कैप्टन अमर ज्योति एवं स्काउट बेसिक टीचर पवन बावरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

- ब्यावर जिले के आनन्दपुर कालू स्थानीय संघ के अन्तिम छोर में कुड़की में आयोजित द्वितीय व तृतीय सोपान शिविर मे मुख्य अतिथि के रूप में सहायक स्टेट कमिश्नर विमल चौहान

ने संभागियों को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में स्काउटिंग की अहम भूमिका होती है। उन्होंने शिविर का निरीक्षण कर स्थानीय संघ के सचिव अम्बादास वैष्णव के प्रयासों की सराहना की। इस मौके पर जवाजा के सचिव सुरेश फुलवारी ने बताया कि इन शिविरो के प्रमाणपत्र उच्च शिक्षा व नौकरियो में सहायक होते हैं। अधिक से अधिक बच्चों को स्काउट गाइड को ऐसे प्रशिक्षण शिविरो मे भाग लेना चाहिए। वही मसूदा के सचिव मोहन सिंह चौहान ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य व मुख्य मंत्री जी के प्रयासों से राष्ट्रपति स्काउट/जम्बूरी में भाग लेने वालो को निःशुल्क रोड़वेज मे सुविधा प्रदान की गई है तथा उनके नेतृत्व में यह संस्था देश मे अग्रणीय है।

स्थानीय संघ के सचिव ने बताया कि शिविर में 11 ट्रुप के लगभग 110 बालचर स्काउट ने 5 दिवसीय शिविर में भाग लिया। शिविर में विष्णु वर्मा ने अपनी सेवाएं दी। ब्यावर जिले के अन्तिम छोर पर आयोजित स्काउटिंग के प्रथम शिविर का अवलोकन करने पर अतिथियों का स्थानीय संघ द्वारा साफा, माला पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया गया।

- भीलवाड़ा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुभाष नगर में संचालित स्काउट ट्रुप, गाइड कंपनी, स्काउट इको क्लब, बुलबुल फ्लॉक के संयुक्त तत्वावधान में 2 अक्टूबर को

वयोवृद्ध स्काउट लीडर मदनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं प्रधानाचार्य उर्मिला जोशी की अध्यक्षता में विशाल सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट) प्रेम शंकर जोशी के अनुसार प्रार्थना सभा में स्काउट, गाइड, बुलबुल व स्कूली छात्र–छात्राओं ने प्रातः स्मरामि, सरस्वती वंदना, गुरु वंदना, राम धुन, नाम धुन, ईसाई धर्म प्रार्थना, हिंदू धर्म प्रार्थना, इस्लाम धर्म प्रार्थना, जैन धर्म प्रार्थना, मौन प्रार्थना, समूह गान, गांधी जी के प्रिय भजन सस्वर वाचन किया गया। प्रार्थना सभा के बाद गांधी जी एवं शास्त्री जी के जीवन पर छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किये। मुख्य अतिथि श्री शर्मा ने सभी को अध्यात्म का ज्ञान देते हुए सेवा के लिए आगे रहने का संकल्प दिलाया। अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री जोशी ने शानदार प्रार्थना सभा की प्रशंसा करते हुए महात्मा गांधी एवं शास्त्री जी की जीवनी पर प्रकाश डाला और सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर व्याख्याता (शारीरिक शिक्षा) सुनील खोईवाल, गाइड कैप्टन संगीता व्यास, फ्लॉक लीडर मंजू शर्मा सहित स्टॉफ के सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं उपस्थित थे। प्रार्थना सभा के तुरंत बाद नगर परिषद में प्रशासन द्वारा आयोजित दिव्यांग जन सहायक अंग वितरण समारोह में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुभाष नगर के 15 एवं राजेंद्र मार्ग के 10 स्काउट पहुंचें तथा दिव्यांग जनों को पानी पिलाने, ट्राई साइकिलों पर बिठाने, वैसाखियों के सहारे चलने, व्हील चेयर पर बैठकर चलने में उनका सहयोग किया तथा हमेशा सेवा कार्य में अग्रणी रहने का संकल्प लिया।

भरतपुर मण्डल

- सचिव शांति एवं अहिंसा विभाग जयपुर के निर्देशानुसार तथा जिला कलक्टर भरतपुर के आदेशानुसार 02 अक्टूबर 2023 को गांधी एवं शास्त्री जयंती पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा एवं सदभावना दौड़ का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग एवं राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड भरतपुर के संयुक्त तत्वावधान में मास्टर आदितेन्द्र राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भरतपुर के जिमनेजियम हॉल में कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री लोकबंधु जिला कलेक्टर भरतपुर, विशिष्ट अतिथि श्री मृदुल कच्छावा जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर तथा श्री रतनलाल स्वामी अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन), श्री अमित कुमार शर्मा एडीपीसी समसा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, श्री प्रेम सिंह कुंतल जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक), श्री आर.डी. बंसल जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक), शांति एवं अहिंसा निदेशालय के प्रतिनिधि अन्य समस्त अधिकारियों ने सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी श्री अनित कुमार

शर्मा एवं सहायक श्री देवेंद्र कुमार मीना सी.ओ. स्काउट के नेतृत्व में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का संचालन किया गया। सर्वधर्म प्रार्थना सभा में सामूहिक रूप से रामधुन, नामधुन के साथ वैदिक, ताओ, जैन, बौद्ध, मुस्लिम, ईसाई एवं सिख धर्म की प्रार्थना बोलकर निर्गुण भजन प्रस्तुत किया। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक एवं प्राथमिक के नेतृत्व में प्रातःकाल कुम्हेर गेट से सद्भावना दौड़ प्रारंभ हुई जो लक्ष्मण मंदिर, चौबुर्जा, मथुरा गेट, बिजली घर चौराहा होकर कलेक्ट्रेट में विसर्जित हुई। सद्भावन दौड़ एवं सर्वधर्म प्रार्थना सभा में अध्यापक, शारीरिक शिक्षक, स्काउट गाइड यूनिट लीडर के नेतृत्व एवं सान्निध्य में छात्र–छात्रा, स्काउट गाइड व रोवर रेंजर ने भाग लिया तथा अपना व्यक्तिगत योगदान कर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महती भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में श्री रतनलाल स्वामी अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) भरतपुर ने कार्यक्रम में सहभागिता कर सफलतापूर्वक आयोजन हेतु सभी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि भारत स्काउट व गाइड, जिला भरतपुर के सी.ओ. स्काउट श्री देवेंद्र कुमार मीना व उनकी पूरी स्काउट गाइड टीम को बहुत बहुत धन्यवाद, जिन्होंने इस प्रोग्राम को सफल बनाया और सर्वधर्म प्रार्थना सभा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम में स्काउटर श्री यादराम, श्री बलराज सिंह, श्री मुरारी लाल शर्मा, श्री मनीष जैन, श्री भगतसिंह गुलशन, रोवर लीडर श्री अनिल कुमार नागर, गाइडर श्रीमती लक्ष्मी कुमारी, श्रीमती सुनिता कुमारी एवं भरतपुर के स्काउट गाइड व रोवर रेंजर्स उपस्थित रहे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भरतपुर एवं उत्तर पश्चिम रेलवे के तत्वाधान में स्वच्छता पखवाड़ा के समापन एवं समाज कल्याण सप्ताह के प्रथम दिवस रेलवे स्टेशन भरतपुर के परिसर में 'स्वच्छता ही सेवा' के तहत श्रमदान किया गया। इस अवसर पर श्री अनुराग गर्ग (डी.आर.यू.सी. सी. मेम्बर), श्री रतनलाल ए.डी.ई.एन.(नोडल अधिकारी), श्री पी.डी. सिंह समाज सेवी, श्री मेघश्याम सिंघल स्टेशन प्रबंधक, श्री अतीश माहेश्वरी डी.सी.एम.आई., श्री अमित कुमार भारती आई.ओ.डब्ल्यू., श्री विनोद कुमार मीना एच.आई. स्टेशन, श्री

देवेन्द्र कुमार मीना सी.ओ स्काउट के नेतृत्व में स्काउट गाइड व रोवर्स रेंजर्स ने भाग लिया। स्वच्छता ही सेवा है के अनुसार इस अवसर पर स्वच्छता रैली, स्वच्छता श्रमदान कर सामूहिक रूप से शपथ दिलाई गई।

- निर्वाचन विभाग, राजस्थान सरकार के आदेशानुसार एवं जिला कलक्टर, भरतपुर के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता अभियान स्वीप गतिविधि के अंतर्गत 27 सितम्बर 2023 को प्रातः 08 बजे पुलिस परेड ग्राउंड भरतपुर में वोट फॉर नेशन गतिविधि आयोजित हुई, जिसमें अधिकारी,

कर्मचारी के अलावा शहर की समस्त शिक्षण संस्थाओं के छात्र–छात्राएं, एन.एस.एस., एन.सी.सी. एवं स्काउट गाइड, रोवर रेंजर ने भाग लिया। इस अवसर पर जिला कलक्टर श्री लोकबंधु ने मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाकर जिले में शत प्रतिशत मतदान करने हेतु प्रचार प्रसार करवाने का आह्वान किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भरतपुर के तत्वावधान में मदर टेरेसा एली. शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान भरतपुर के छात्र–छात्रा अध्यापकों का एक दिवसीय स्काउट गाइड बिगिनर्स कोर्स 04 अक्टूबर 2023 को संस्थान स्तर पर आयोजित किया गया। श्री रामजस लिखाला सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) ने बिगिनर्स कोर्स के उद्देश्य की जानकारी देकर स्काउट गाइड ग्रुप प्रशिक्षण शिविर का महत्व बताया। श्रीमती सीमा रिजवी सी.ओ गाइड ने स्काउटिंग गाइडिंग का इतिहास व श्री देवेन्द्र कुमार मीना सी.ओ. स्काउट ने स्काउटिंग गाइडिंग क्या है एवं छात्र–छात्राओं के जीवन में इसकी उपयोगिता की जानकारी दी। श्री मुरारीलाल

शर्मा (स्काउटर) ने स्काउट गाइड के आदर्श वाक्य, चिन्ह, सैल्यूट व बायां हाथ मिलाने की जानकारी दी। श्रीमती अनिता देवी (गाइडर) ने स्काउट गाइड पोशाक एवं सात दिवसीय ग्रुप प्रशिक्षण शिविर के बारे में बताया। बिगिनर्स कोर्स के समापन पश्चात वृक्षारोपण भी किया गया।

- करौली जिला प्रशासन एवं भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, करौली के तत्वावधान में 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर शांति एवं अहिंसा निदेशालय एवं राजस्थान राज्य भारत स्काउट, राज्य मुख्यालय, जयपुर के निर्देशानुसार कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें सद्भावना दौड़,

सर्व धर्म प्रार्थना सभा, श्रमदान एवं स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्काउट गाइड स्काउटर और गाइडर ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं कई कार्यालयों में श्रमदान किया। इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र कुमार गौतम एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सर्वेश कुमार गुप्ता ने विशेष रूप से स्काउट गाइड को धन्यवाद दिया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, गंगापुरसिटी के स्काउट गाइड, रोवर रेंजर ने माननीय रामकेश मीणा विधायक एवं मुख्यमंत्री के सलाहकार, श्रीमती अंजलि राजोरिया जिला कलक्टर महोदया, श्री देवेंद्र विश्नोई एस.पी., श्री केशव मीणा एस.डी.एम., श्रीमती सीमा तहसीलदार के सान्निध्य में आयोजित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती पर कलक्ट्रेट से कार्यालय पंचायत समिति गंगापुर सिटी तक

सदभावना दौड़ में भाग लिया। पंचायत समिति में स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सामूहिक रूप सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न धर्मों के अनुयायी के साथ विद्यालयों के छात्र छात्रा, रोवर/रेंजर, स्काउट/गाइड ने भाग लिया। सर्व धर्म प्रार्थना सभा में शान्ति एवं अहिंसा निदेशालय के प्रतिनिधि गणमान्य नागरिक एवं स्काउट गाइड यूनिट लीडर ने सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

बीकानेर मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, झुन्झुनू जिला परिषद अधिवेशन में राज्य उपाध्यक्ष श्री आत्माराम टीबड़ेवाल, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी झुंझुनू महेंद्र सिंह जाखड़, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अलसीसर राजेंद्र सिंह खींचड़, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी चिड़ावा कैलाश चंद शर्मा, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सिंघाना श्रीमती नीलिमा यादव, अतिरिक्त मुख्य

ब्लॉक शिक्षा अधिकारी झुंझुनू अशोक कुमार पुनिया एवं एसीबीईओ मनोज झाझरिया, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पिलानी मनीष चाहर, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बुहाना हरकेश मान, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अलसीसर सुनीता यादव सहित अनेक प्रभारी कमिश्नर स्काउट एवं प्रभारी कमिश्नर गाइड्स, सहायक जिला कमिश्नर्स एवं संस्था प्रधान प्रतिनिधि, स्काउट गाइड सचिव, संयुक्त सचिव, स्काउटर, गाइडर प्रतिनिधि सहित लगभग 170 संभागी उपस्थित रहे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला हनुमानगढ़ का प्रथम जिला परिषद वार्षिक अधिवेशन 5 अक्टूबर को जिला मुख्यालय स्थित स्काउट गाइड कार्यालय में मुख्य आयुक्त व जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक हंसराज जाजेवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में जिले भर से स्काउट गाइड व स्थानीय संघ के प्रभारी अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अधिवेशन को संबोधित करते हुए मुख्य आयुक्त व जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक हंसराज जाजेवाल ने कहा कि प्रत्येक

स्कूल में स्काउट व गाइड की गतिविधि चलनी चाहिए। क्योंकि स्काउट व गाइड के माध्यम से विद्यार्थी अनुशासन के साथ–साथ संस्कारों को भी प्राप्त करते है जो देश के उज्जवल भविष्य की प्रथम नींव के समान है। अधिवेशन में सीओ स्काउट भारत भूषण ने गत एक वर्ष का लेखा–जोखा व वार्षिक प्रतिवेदन सदन के समक्ष प्रस्तुत किया जिसे सदन ने सर्वसम्मति से पारित किया। सदन में जिला परिषद की नई कार्यकारिणी के गठन पर चर्चा की गई। सभी सदस्यों ने पूर्व संयुक्त निदेशक माध्यमिक शिक्षा मोहनलाल स्वामी को अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव रखा। सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से समर्थन देते हुए मोहनलाल स्वामी को जिला परिषद का अध्यक्ष मनोनीत किया। नवनियुक्त अध्यक्ष मोहन लाल स्वामी का माला पहनाकर अभिनंदन किया गया। इस मौके पर सीबीओ पूर्णराम देव, कैलाश सिंवर, हनुमान प्रसाद शर्मा, सीबीओ दुलीचंद शर्मा, शकुंतला लाम्बा, सुरेन्द्र गोदारा, पुरुषोत्तम शर्मा, भूपेन्द्र कौशिक सहित जिले भर से स्काउट मौजूद थे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चूरू के तत्वावधान में चूरू जिला परिषद का प्रथम वार्षिक अधिवेशन 21 सितम्बर 2023 को श्रीमती भगवान देवी भुवालका रा.बा.उ.मा.विद्यालय, चूरू में आहूत किया गया। सी.ओ.स्काउट महिपाल सिंह तँवर ने बताया कि राजस्थान मे पहली बार स्काउट गाइड के संगठनात्मक ढ़ांचे में परिवर्तन करते हुए जिला सैटअप व्यवस्था को लागू किया गया, जिसके अन्तर्गत जिला कौंसिल का प्रथम वार्षिक अधिवेशन आयोजित किया गया। स्काउट संगठन के समस्त पदाधिकारी एवं निःस्वार्थ सेवाभावी सदस्यों ने उपस्थित होकर स्काउट गाइड संगठन के वर्ष पर्यन्त किये

गये कार्यों का सिंहावलोकन करते हुए आगामी वर्ष की सेवाभावी योजनाओं पर विचार विमर्श कर उनकी क्रियान्विति सुनिश्चित करने की योजना तैयार की। अधिवेशन का आगाज प्रार्थना के साथ हुआ। अधिवेशन की अध्यक्षता जिला मुख्यायुक्त एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्री जगबीर सिंह

यादव ने की। जिला आयुक्त (स्काउट) श्री निसार अहमद खान ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का शाब्दिक स्वागत करते हुए स्काउट गाइड द्वारा जिले मे किये जा रहे कार्यों की भूरी भूरी प्रशन्सा की। सहायक जिला कमिश्नर श्री विक्रम सिंह चौहान द्वारा अधिवेशन के सफल आयेजन के उपलक्ष्य में प्राप्त शुभकामना संदेशों का वाचन किया गया। जिला सचिव श्री महिपाल सिंह तँवर ने स्काउट गाइड की वर्ष 2022–23 का उपलब्धि विवरण एवं सत्र 2023–24 का वार्षिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसे सदस्यों ने ध्वनिमत से पारित किया। जिला कोषाध्यक्ष श्री संदीप कुमार ने सत्र 2022–23 का आय व्यय का विवरण एवं सत्र 2023–24 का बजट प्रस्तुत किया जिसे सदन ने पारित किया। स्थानीय संघ रतनगढ़ के प्रधान श्री सन्तोष कुमार इन्दोरिया ने स्थानीय संघ की ओर से सभी का आभार व्यक्त किया। अधिवेशन की समस्त व्यवस्थाओं का निर्वहन स्थानीय संघ सचिव श्री नरेन्द्र स्वामी एवं स्थानीय विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती गोपाल कँवर द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के निर्विरोध चुनाव सपन्न हुए, जिसमें अध्यक्ष श्री रामवतार बैरासरिया, सहायक जिला कमिश्नर (स्काउट) प्रतिनिधि श्री विक्रम सिंह चौहान एवं श्री सुभाष चन्द, सहायक जिला कमिश्नर (गाइड) प्रतिनिधि श्रीमती सरोज पूनियां वीर एवं श्रीमती अर्चना शर्मा, सहा. लीडर ट्रेनर (स्काउट) प्रतिनिधि श्री झाबर मल माहेच एवं श्री रज्जाक खान, स्काउटर प्रतिनिधि श्री सत्यनारायण स्वामी एवं श्री विमल कुमार शर्मा, गाइडर प्रतिनिधि श्रीमती इन्दूबाला वर्मा एवं श्रीमती सुमन कँवर, ग्रुप लीडर प्रतिनिधि श्री राम कुमार एवं श्रीमती सरिता पारीक को चुना गया।

◈ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, संगरिया के तत्वावधान प्रशिक्षण केंद्र पर एक रात्रि कब बुलबुल शिविर का शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिद्धू ने किया। शिविर प्रभारी रामकरण ने बताया कि इससे पूर्व कब बुलबुल के द्वारा अतिथियों का स्वागत तिलक कर और गार्ड ऑफ ऑनर देकर किया गया। स्थानीय संघ के पदाधिकारियों ने सुखबीर सिंह सिद्धू और जगदीश सहारण का स्कार्फ पहना कर स्वागत किया। कब बुलबुल को संबोधित करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि कब बुलबुल की गतिविधियां बालक को छोटी उम्र में अनुशासित बनाती है। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष के द्वारा कब बुलबुल की गतिविधियों के लिए शेड सहित मंच

बनाने की घोषणा की गई। इसके साथ ही चल रहे द्वितीय एवं तृतीय सोपान प्रशिक्षण एवं जांच शिविर में प्राथमिक चिकित्सा, दक्षता बैज, स्काउट की प्रगति, राज्य पुरस्कार पाठ्यक्रम और हाइक आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। शिविर में ओमप्रकाश कोटी, विजय कुमार ज्यानी, सीमा रानी, महावीर विश्नोई, गुलशन कुमार, बंसीलाल, ओमप्रकाश, अश्वनी कुमार, फूलसिंह शर्मा, रमादेवी, रानी, मोनिका गोस्वामी, सुमन नरूला, रविंद्रसिंह, योगेश भोबिया, गुलाब सिंह इत्यादि के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर गाइड डॉक्टर रेणु झींझा ने समस्त अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

जयपुर मण्डल

◈ भारत स्काउट व गाइड एवं नेशनल ग्रीन कोर, जिला मुख्यालय, सीकर व स्थानीय सिंह दातां के तत्वावधान में विश्व ओजोन दिवस पर छीतरवाल बालाजी धाम पर ओजोन बचाओ जीवन बचाओ संगोष्ठी का आयोजन किया गया। बसंत कुमार लाटा सीओ स्काउट सीकर ने ओजोन परत को बचाने के लिए अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ओजोन परत बचेगी तो ही हमारा जीवन पृथ्वी पर बचेगा इसलिए ऐयर कंडीशन जैसे उपकरणों का उपयोग नहीं करें जिससे ओजोन परत को नुकसान ना पहुंचे। इसके साथ ही स्थानीय संघ शिवसिंहपुरा, सीकर, लक्ष्मणगढ़, पाटन, धोद, दातां, पलसाना, श्रीमाधोपुर क्षेत्र के कब, स्काउट, रोवर, गाइड्स ने ओजोन दिवस पर पौधारोपण, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, साइकिल रैली, भाषण प्रतियोगिता, पौधों की निराई गुड़ाई,

श्रमदान प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पौधों के देखभाल, प्रभात तेरी, जन चेतना रैली, नुक्कड़ नाटक सहित अनेक कार्यक्रम किए गए। भारत स्काउट व गाइड सीकर व शिवसिंहपुरा के तत्वाधान में कोलीड़ा खेल मैदान पर मानव श्रृंखला बनाकर ओजोन दिवस मनाया गया। ओजोन दिवस पर सुविचार गोष्ठी का आयोजन भी किया गया नारा लेखन पोस्टर भाषण निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्व ओजोन दिवस पर श्रीमती जमुना देवी पांडे राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पाटन, राजकीय बी.आर. अंबेडकर बालक छात्रावास सीकर के स्काउट ग्रुप, राउमावि सिहोट बड़ी, सरस्वती पब्लिक स्कूल नीमकाथाना, ऋषिकुल स्कूल लक्ष्मणगढ़, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मानसी व राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टाटनवा सहित अनेक जगह स्काउट गाइड द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए गए।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, अलवर के तत्वावधान में 2 अक्टूबर को गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती मनाई गई। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्री रामेश्वर दयाल मीणा एवं श्री नेकीराम जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय

माध्यमिक प्रारंभिक शिक्षा अलवर के मुख्य आतिथ्य में इस अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा, जन चेतना रैली, श्रमदान आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें यूनिट लीडर्स, स्काउट गाइड एवं रोवर्स रेंजर्स ने भाग लिया।

◈ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ फतेहपुर (सीकर) के तत्वावधान में 1 अक्टूबर को स्वच्छता अभियान के तहत स्काउट्स ने श्रमदान किया। रेलवे स्टेशन परिसर में आयोजित स्वच्छता अभियान के तहत स्थानीय संघ फतेहपुर के द्वारा शानदार सफाई कार्य किया गया। श्रमदान कार्यक्रम में व्यापार मंडल से श्री बाबूलाल झालानी, गोमजी लोहिया मक्खन लाल लोहिया, सुभाषचंद्र केजरीवाल, सीताराम सोनी का अहम योगदान रहा। स्थानीय संघ उपाध्यक्ष जनाब इकबाल हुसैन एवं भामाशाह जनाब एम.ए. तंवर के नेतृत्व में

आयोजित इस नेक काम में कोषाध्यक्ष करण सिंह जाखड़, संयोजक एवं पूर्व पार्षद गणेश कुमार चमडिया, बजरंग लाल महर्षि, ईश्वर सिंह नेहरा सहित अनेक स्काउट्स ने सराहनीय योगदान दिया। रेलवे स्टेशन अधीक्षक एवं समस्त स्टाफ ने सेवाभावी टीम का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

◈ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ सीकर व शिवसिंहपुरा के तत्वाधान में आयोजित स्थानीय संघ स्तरीय स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम स्वीप के तहत संगोष्ठी एवं शपथ का कार्यक्रम किया गया।

इस अवसर पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पिपराली सुमन चौधरी, प्रभारी कमिश्नर स्थानीय संघ सीकर बनवारी लाल, कार्यकारिणी अध्यक्ष केसर देव एवं बनवारी लाल सुंडा जिला संगठन आयुक्त बसंत कुमार लाटा ने मतदाता जागरूकता की शपथ दिलवाई। इस अवसर पर प्रेम सिंह नेहरा, जिला शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान के राजेंद्र सिंह मील एवं सरोज लोयल, बनवारी लाल शर्मा, लालचंद शर्मा, पुरुषोत्तम सोनी, किशन लाल सियाग, देवीलाल, अमिताभ धोबी, पूरणमल गुर्जर, मदन मोहन शर्मा, महेंद्र सिंह मील, इरशाद, रामनिवास, उर्मिला चौधरी सहित 300 से अधिक स्काउट गाइड उपस्थित थे।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला सीकर के तत्वावधान में 21 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की कड़ी में जिला मुख्यालय पर बसंत कुमार लाटा सीओ स्काउट के नेतृत्व में संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न स्थानीय संघ के सचिव, स्काउट मास्टर, स्काउट सदस्यों ने

भाग लिया। स्काउट गाइड स्थानीय संघ थोई के तत्वावधान में थोई गांव में सचिव सुवालाल कुमावत, घासीराम वर्मा व अन्य स्काउट गाइड पदाधिकारियों के नेतृत्व में विश्व शांति दिवस पर जन चेतना रैली का आयोजन किया। इस अवसर पर शांति संबंधी नारे लगाते हुए स्काउट गाइड सदस्यों ने आपसी सामाजिक भाईचारा रखने का संदेश दिया।

◈ भारत स्काउट व गाइड एवं नेशनल ग्रीन कोर, जिला सीकर के तत्वावधान में महात्मा गांधी एवं शास्त्री जी की जयंती पर दो दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें सर्वधर्म प्रार्थना सभा, श्रमदान, स्वच्छता कार्यक्रम, रंगोली, शपथ सहित अनेक सेवा के कार्य किए गए। इसी क्रम में स्काउट गाइड जिला मुख्यालय, बड़ा तालाब, सीकर पर श्रमदान किया एवं सद्भावना दौड़ में भाग लिया। जिला मुख्यालय सीकर के निर्देशानुसार चल रहे स्काउट गाइड ग्रुप

प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान सीकर के परिसर में जिला परिषद सीईओ राकेश गढ़वाल, सहायक निदेशक लोक सेवाएं श्रीमती इंदिरा शर्मा, इतिहासकार महावीर पुरोहित, जिला संगठन आयुक्त बसंत कुमार लाटा के आतिथ्य में सर्व धर्म प्रार्थना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिविर संचालक पुरुषोत्तम सोनी, महेंद्र कुमार पारीक, किशन लाल सियाक के नेतृत्व में विभिन्न धर्म की प्रार्थना का आयोजन किया गया। प्रार्थना सभा में प्रातः सुनामी सरस्वती वंदना, गुरु महिमा, रामधुन, विभिन्न धर्म की प्रार्थना एवं गांधी जी व शास्त्री जी पर प्रवचन प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर महेंद्र कुमार पारीक, मुकेश कुमार, महेश कुमार, पूरणमल, सरोज लॉयल, मोहन लता गाइडर, प्रेम लता, ओम प्रकाश रेगर, आदिल, हरीश, गोवर्धन, अंकित शर्मा, श्यामरथ सहित स्काउट गाइड के सदस्य उपस्थित रहे। इसके साथ ही कलक्ट्रेट एवं डाईट, स्काउट गाइड मुख्यालय व आरटीओ ऑफिस के पास में श्रमदान किया।

◈ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ सीकर एवं शिवसिंहपुरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता रैली में 20 सितम्बर को समापन समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सरपंच शिवपाल सिंह मील, रैली संचालक पुरुषोत्तम सोनी, ओम सिंह मील, लालचंद शर्मा, मनोहर लाल शर्मा के आतिथ्य में पुरस्कार वितरित किए गए। किशन लाल सियाक सचिव ने अतिथियों का स्वागत किया। पुरस्कार की घोषणा करते हुए महेंद्र कुमार पारीक ने बताया कि झांकी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर विवेकानंद एवं द्वितीय स्थान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुगारा ने प्राप्त किया। आपदा प्रबंधन में प्रथम स्थान ज्ञानदेव पब्लिक स्कूल राधा कृष्णपुरा सीकर एवं द्वितीय स्थान टोडी माधोपुरा ने प्राप्त किया। सामूहिक लोक नृत्य में ग्रामीण शिक्षण संस्थान उच्च माध्यमिक विद्यालय शिवसिंहपुरा एवं द्वितीय स्थान दौलतपुरा ने प्राप्त किया।

सामूहिक लोकगीत में प्रथम स्थान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बालिका दौलतपुरा एवं द्वितीय स्थान आदर्श बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय कोलीडा ने प्राप्त किया। मार्च पास्ट में प्रथम स्थान श्री कल्याण राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सीकर व द्वितीय स्थान आदर्श बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय कोलीड़ा ने प्राप्त किया। कलर पार्टी में प्रथम स्थान आदर्श कोलीड़ा एवं द्वितीय स्थान गुगारा ने प्राप्त किया। शिविर कला में प्रथम स्थान आदर्श बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय कोलीड़ा एवं द्वितीय स्थान पिपराली ने प्राप्त किया। फूड प्लाजा में प्रथम स्थान

आदर्श कोलीड़ा एवं द्वितीय स्थान रघुनाथगढ़ ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नाडी एवं द्वितीय स्थान श्याम पब्लिक उ. माध्य. विद्यालय कुशलपुरा ने प्राप्त किया। आशु भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान टोड़ी माधोपुरा एवं द्वितीय स्थान ज्ञान देव उच्च माध्यमिक में प्राप्त किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ज्ञान देव उ.माध्य. विद्यालय राधा कृष्णपुरा एवं द्वितीय स्थान विवेकानंद कोलीड़ा ने प्राप्त किया।

प्रोत्साहन के तौर पर समस्त रोवर महाविद्यालय एवं रेंजर महाविद्यालय को भी सम्मानित किया गया। समस्त भामाशाहों का सम्मान स्थानीय संघ परिवार की ओर से स्कार्फ पहनाकर स्काउट गाइड भावनाओं से किया गया। ग्राम कोलीड़ा के ग्रामवासियों का पूर्ण सहयोग रहा जिसके लिए आंदोलन की ओर से आभार व्यक्त किया गया।

जोधपुर मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, सिरोही जिला स्तरीय स्वच्छता कार्यशाला का शुभारंभ श्री सिद्धार्थ कुमार जैन जिला मुख्य आयुक्त एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, सिरोही ने किया।

इस अवसर पर सिरोही जिले में आयोजित स्काउट गाइड गतिविधियों के संबंध में सीओ स्काउट एम.आर. वर्मा ने विस्तार से अवगत कराया और मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महोदय के प्रथम बार जिला मुख्यालय पधारने पर जिला मुख्यालय द्वारा स्कार्फ, साफा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा मुख्यालय सिरोही गंगा कलावंत ने भी शिविर का अवलोकन किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही के तत्वावधान में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती, गांधी पार्क सिरोही में सर्व धर्म प्रार्थना सभा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर श्री संयम लोढ़ा विधायक सिरोही, जिला कलक्टर श्री भंवरलाल, श्री महेंद्र मेवाड़ा सभापति नगर परिषद सिरोही, श्री राजेंद्र सांखला संयोजक जिला शांति एवं अहिंसा प्रकोष्ठ, अतिरिक्त जिला कलक्टर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा गंगा

कलावत, जिला शिक्षा अधिकारी श्री मांगीलाल गर्ग, एम.आर. वर्मा सी.ओ. स्काउट एवं अन्य पदाधिकारी और स्काउट गाइड व अन्य छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा जिला स्तरीय स्वच्छता कार्यशाला स्काउट गाइड जिला मुख्यालय पर सलाहकार माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार एवं विधायक सिरोही श्री संयम लोढ़ा के मुख्य आतिथ्य एवं सभापति नगर परिषद श्री महेंद्र मेवाड़ा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर अतिथियों ने जिला

मुख्यालय पर 20 स्नान घर एवं शौचालय का लोकार्पण भी किया। श्री महेंद्र मेवाड़ा सभापति नगर परिषद सिरोही ने जिला मुख्यालय पर स्काउट गाइड के लिए वाटर कूलर और आर.ओ. देने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन सीओ स्काउट एम.आर. वर्मा ने किया। इस अवसर पर जिले के सचिव, स्काउटर गाइडर एवं रोवर रेंजर उपस्थित थे।

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, बाड़मेर के द्वितीय एवं तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर के तृतीय दिवस की शुरुआत बीपी सिक्स व्यायाम के साथ हुई व्यायाम दक्ष प्रशिक्षक नारायण राम विश्नोई, दशरथ कुमार गर्ग, एवं चांप सिंह ने करवाया। तत्पश्चात ले आउट निरीक्षण, गैजेट, पिट्स का निरीक्षण किया गया। स्थानीय सचिव त्रिलोका राम सेजू ने ध्वजारोहण किया और विभिन्न गतिविधियों जैसे आग बुझाना, प्राथमिक उपचार, द्वितीय और तृतीय सोपान की गांठे, कंपास, खोज के चिह्न आदि की जानकारी दक्ष प्रशिक्षक गोपाल गर्ग, भंवर लाल खुमान सिंह, वीरा राम, अनिलकुमार द्वारा दी गई।

इसी के साथ जिला मुख्यालय एवं स्थानीय संघ द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम के तहत विशेष कार्य किया गया। परिसर की साफ सफाई के साथ साथ झाड़ियों की कटाई की गई। स्वच्छता के कार्य के लिए बाड़मेर सी.ओ. श्री योगेन्द्र सिंह राठौर ने सभी स्काउट और स्काउटर की प्रशंसा की और धन्यवाद दिया। अंत में खेल सत्र हुआ। तृतीय दिवस की समाप्ति पर रात्रि को कैंप फायर का आयोजन किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, पाली के तत्वावधान में 2 अक्टूबर को आयोजित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्रीजी की जयंती के शुभ अवसर पर जिला प्रशासन पाली के साथ रोवर्स रेंजर्स और स्काउट

गाइड ने गांधी सर्किल पर गांधी जी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि समर्पित की। नगर परिषद परिसर में विशाल सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन भी किया गया, जिसका संचालन स्काउट गाइड जिला मुख्यालय द्वारा किया गया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, पाली एवं नगर परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 1 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे लखोटिया उद्यान में स्वच्छता कार्यक्रम का आगाज किया गया। श्रीमती डिंपल दवे सर्कल ऑर्गेनाइजर गाइड एवं

परमेश्वरी चारण एएलटी सीकर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में रोवर्स रेंजर्स एवं गाइड कैप्टन फ्लॉक लीडर बेसिक कोर्स के संभागी गाइडर्स ने परिश्रम से उद्यान व आसपास की गंदगी को साफ कर सुंदर वातावरण बनाने का सफल प्रयास किया। स्वच्छता की शपथ भी ली। नगर परिषद सभापति श्रीमती रेखा राकेश भाटी ने स्काउट गाइड संगठन के कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की।

कोटा मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, जिला बारां के तत्वावधान में 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी एवं शास्त्री जयंती के अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर सभा के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा श्री पीयूष कुमार शर्मा, सर्कल ऑर्गेनाइजर स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा, सर्कल ऑर्गेनाइजर गाइड सुनीता मीणा एवं स्काउट गाइड रोवर रेंजर उपस्थित थे। राष्ट्रीय ग्रीन कोर योजना के

अंतर्गत स्काउट गाइड, रोवर रेंजर ने स्वच्छता जागरूकता हेतु मानव श्रृंखला बनाई तथा बारां शहर के चार मूर्ति चौराहा एवं रेलवे स्टेशन पर सफाई कार्य किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बारां की ओर से आयोजित किए जा रहे सात दिवसीय जिला स्तरीय ग्रुप वार्षिक शिविर में स्काउट गाइड ने पैदल हाइक और एडवेंचर गतिविधियों का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। जिला कमिश्नर एडल्ट रिसोर्स एवं शिविर संचालक अमजद यूसुफी ने बताया कि शिविर में भाग ले रहे स्काउट गाइड्स को सीओ स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा ने एडवेंचर गतिविधियों के अंतर्गत पोर्टेबल

फ्लैग, मंकी ब्रिज, कमांडो ब्रिज एवं वाचिंग टावर बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया। सभी स्काउट गाइड ने बारी–बारी से एडवेंचर गतिविधियों में सफलता पूर्वक भाग लिया। अमजद युसूफी ने स्काउट गाइड को पैदल हाइक के बारे में बताते हुए खोज के चिन्हों की जानकारी दी। स्काउटिंग विधि से आयोजित इस पैदल हाइक में सभी स्काउट गाइड कोटा रोड स्थित मृदुल भवन से रवाना होकर खोज के चिन्हों का उपयोग करते हुए लक्ष्य स्थल मूंडली बालाजी पर पहुंचे। इस बीच अग्रिम दल द्वारा छुपाए गए खजाने को भी खोज के चिन्हों का अनुसरण कर ढूंढकर प्राप्त किया।

श्री चित्तौड़ा ने बताया कि बारां जिले में एडवेंचर गतिविधियों के लिए एडवेंचर इंस्टिट्यूट स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। जिससे भविष्य में स्काउट गाइड सहित युवक युवती विभिन्न एडवेंचर गतिविधियों में भाग ले सकेंगे। सहायक लीडर ट्रेनर राजेंद्र शर्मा ने ध्वज शिष्टाचार, ट्रूप मीटिंग सहित अन्य विषयों का प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया। इससे पूर्व मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी रामदेवली मीणा और माध्यमिक के जिला शिक्षा अधिकारी पीयूष कुमार शर्मा ने शिविर का निरीक्षण किया। शिविर में एडवेंचर प्रभारी स्वदेश सिंह, भैरूलाल वर्मा, सुनीता मीणा, आराधना सिंह, अनीता चित्तौड़ा, तपेंद्र सिंह नाथावत, प्रतिमा मिश्रा, कमलेश मीणा, सागर कुमार आदि ने सहयोग प्रदान किया।

उदयपुर मण्डल

◈ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ बडगांव, जिला उदयपुर के बेदला कार्यालय ने वार्षिक ग्रुप शिविर का आयोजन किया, जिसमें युवा स्काउट और गाइड ने अपने नैतिक मूल्यों के साथ नेतृत्व और सेवा कौशल सीखने का मौका प्राप्त किया। इस अद्वितीय आयोजन में कुल 30 स्काउट और 14 गाइड प्रतिभागी ने भाग लिया। उन्होंने अपने साहसिक और नेतृत्व कौशलों को और भी मजबूत बनाया। स्काउट और गाइड के बीच एक साझेदारी और शिक्षा का मंच प्रदान किया। आयोजन के संचालन में 5 संयोजक और 5 सहायक ने अपना पूर्ण सहयोग दिया और इस आयोजन को सफल बनाने के लिए कई रोवर्स टीम ने भी योगदान किया। आयोजन टीम में सुरेश कुमार प्रजापत, किशन लाल सालवी, लोकेश राठौड़, जगदीश मेघवाल और सुशील जोशी जैसे प्रमुख सदस्य थे,

जिनके साथ ही अन्य सहायक भी थे जैसे मुकेश कुमार कुमावत, श्रीमती सरोज जांगिड़, सुश्री सेजल चौधरी, श्रीमती आराधना सोनी और श्रीमती शिल्पा त्रिपाठी। समृद्ध गतिविधियों का आयोजन करने वाले इस आयोजन में प्रतिभागी दिन भर में ध्वजारोहण समारोह, स्काउट प्रशिक्षण, मनोरंजन कार्यक्रम, स्व–अध्ययन और सेवा कार्य जैसे विभिन्न गतिविधियों में संलग्न रहे। स्काउट और गाइड ने इन गतिविधियों में भाग लिया और अपने ज्ञान को और बढ़ाया।

वार्षिक ग्रुप शिविर 2023 एक सफल और अद्भुत आयोजन था, जिसमें स्काउट और गाइड ने नैतिक मूल्यों के साथ नेतृत्व और सेवा कौशलों को सीखा।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, प्रतापगढ़ के तत्वावधान में स्काउट गाइड रोवर रेंजर ने स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता वाहन रैली निकाली। विक्रम कोठारी सुहागपुरा सीबीईओ ने प्रशिक्षण केन्द्र से हरी झण्डी दिखाकर रैली को रवाना किया। सी.ओ गाइड रेखा शर्मा ने बताया कि मतदाता जागरूकता कार्यक्रम ''स्वीप'' के तहत निकाली गई वाहन रैली नीमच नाका, गांधी चौराहा एवं नल चौराहा से होकर प्रशिक्षण केन्द्र पर पहुंची। इस अवसर पर

स्वीप गतिविधि अधिकारी कृपानीधि त्रिवेदी गाइड प्रधानाचार्य ने स्काउट गाइड से अधिक से अधिक मतदाताओं को विधानसभा चुनाव में मतदान के लिए प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने स्काउट गाइड से कहा कि वे अपने घर में अपने माता–पिता एवं परिवार के 18 वर्ष से अधिक उम्र के सदस्यों एवं पड़ोसियों जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज है को मतदान के लिए प्रेरित करें। उन्होंने स्काउट गाइड से अधिक से अधिक मतदाता जागरूकता गतिविधियां, रैली, मानव श्रृंखला, रंगोली बनाना, नुक्कड़ नाटक, घर–घर सम्पर्क के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने की अपील की। इस अवसर पर सचिव हीरालाल बलाई, रमेशचन्द्र मीणा, सुरेश कुमार गोठवाल, सहसचिव कारूलाल कीर, अजीत सिह चुण्डावत, बादल बारोलिया, भीमराज मीणा, मानसिंह देवड़ा, मांगीलाल मीणा, विरेन्द्र सिह चुण्डावत, ओमप्रकाश मेघवाल, अशोक शर्मा, लोकेन्द्र कुमार माली, स्काउट गाइड एवं रोवर रेंजर उपस्थित थे।

मेरी माटी मेरा देश

देश निर्माण के मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में अपने योगदान के लिए तत्पर अजमेर के रोवर्स विभिन्न स्थानो पर पंच प्रण की शपथ भी दिला रहे है। अजमेर में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के प्रति सजगता के लिए अजमेर जिले के रोवर्स नेहरू युवा केंद्र के संयुक्त तत्वावधान से संपूर्ण अजमेर के विभिन्न वर्गो द्वारा कार्यक्रम को आगे बड़ा रहे हैं। अजमेर में स्थित महाराणा प्रताप यूथ क्लब के अध्यक्ष और स्काउट रोवर मयंक सिंह नेगी ने अपने साथियों के साथ अजमेर स्काउट सी.ओ. श्री मनमोहन स्वर्णकार के मार्गदर्शन में कार्यक्रम की गंभीरता को समझते हुए अजमेर में उपस्थित देवालय, सरकारी कार्यालय, शैक्षणिक संस्थानों और जन प्रतिनिधि के माध्यम से अभियान को आगे बढ़ाया और जन जन तक पहुंचाने में सफलता प्राप्त की।

क्या है मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम?

भारत सरकार द्वारा एक ऐसा जन आंदोलन जिसके तहत देश के कोने कोने में मौजूद गांव, ढाणी, ब्लॉक से मिट्टी कलश में भरकर अमृत कलश तैयार करना फिर यह कलश ब्लॉक से शहर इसके बाद राज्य की राजधानी फिर देश की राजधानी दिल्ली ले जाना प्रस्तावित है उसके बाद दिल्ली में स्थित कर्तव्य पथ पर देश के सभी राज्यों से आए अमृत कलश की मिट्टी से अमृत वाटिका का निर्माण करना। इस अभियान का उद्देश्य उन बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों और वीरों का सम्मान करना है, जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान किया। उनकी स्मृति में अमृत सरोवरों के निकट ग्राम पंचायतों में शिलान्यास स्थापित किए जाएंगे।

रक्तदान

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, बड़गांव के 53वें वार्षिक उदय ओपन रोवर क्रू भुवाणा ने 25 सितम्बर को बड़े पैमाने पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें युवा सदस्यों ने अपने रक्तदान के माध्यम से समाज सेवा का महत्व समझाया।

इस महत्वपूर्ण आयोजन में 87 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ, जिससे रक्तदान के महत्व को प्रमोट किया गया। युवाओं में समाज सेवा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने का मुख्य उद्देश्य था। और यह आयोजन इस उद्देश्य को पूरा करने में सफल रहा। इस आयोजन के मुख्य अतिथि सरपंच ग्राम पंचायत भुवाणा श्री मोहनलाल डांगी थे। श्री डांगी ने इस कार्यक्रम को समर्थन और प्रेरणा दी। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संघ के नेतृत्व में रक्तदान शिविर का आयोजन सफलता पूर्वक किया गया। इस आयोजन के सफल आयोजन में रोवर लीडर श्री सुरेश कुमार प्रजापत ने महत्वपूर्ण योगदान किया और उन्होंने युवाओं को रक्तदान के महत्व की जागरूकता फैलाने के साथ–साथ समाज सेवा के प्रति प्रेरित किया। रक्तदान के माध्यम से युवा पीढ़ी को समाज सेवा के महत्व के प्रति जागरूक करने और उन्हें समर्पित करने का मौका मिला। इस सामाजिक कार्य में उन्होंने एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया है, जो एक सशक्त और सद्‌गुण समृद्ध समाज की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।

हमारा स्वास्थ्य

तनाव : बचाव में ही उपचार

–वेबसाइट से साभार

तनाव और परेशानी आज हमारे जीवन का एक आम हिस्सा बन कर रह गया है। कभी–कभी इन तनाव भरी स्थितियों का और अपनी ज़िम्मेदारियों का प्रबंधन करना बहुत मुश्किल हो जाता है। हर रोज़ के काम और तनाव की स्थिति के बाद अगर हम कुछ समय अपने आप को दें तो शायद हमें तनाव से बचने के कुछ रास्ते मिल जायें। अगर आप रोजमर्रा के तनाव और परेशानियों से परेशान हो जाते हैं तो इसका अर्थ है कि आपको तनाव कम करने की ज़रूरत है।

- ✓ तनाव अक्सर कई बीमारियों की जड़ होता है।
- ✓ अनावश्यक चिंता करना इसका मुख्य कारण है।
- ✓ दूसरों से मुकाबला करने की आदत को छोड़ दे।
- ✓ खुद में खुश रहें, ध्यान और योग लाभदायक।

तनाव यानि स्ट्रेस से कई बीमारियाँ होती हैं। तनाव से मधुमेह रोगियों की स्थिति बिगड़ती है क्योंकि तनाव शुगर लेवल को बढाता है; तनाव से ब्लड प्रेशर बढ़ता है, स्ट्रेस एटेक आता है; सर दर्द होता है एवं अन्य कई गंभीर बीमारियाँ होती हैं। तनावग्रस्त व्यक्ति का मन भी किसी काम को करने में पूरी तरह नहीं लगता एवं वह अपनी क्षमता के अनुसार किसी कार्य को पूरा नहीं कर पाता। अतः तनाव से बचना चाहिए। यहाँ हम तनाव से बचने के कुछ उपाय बता रहे हैं।

अपनी क्षमता से ज्यादा काम न लें

आप अपनी क्षमता के अनुसार हीं काम किया करें। दूसरों से मुकाबला करने से बेवजह आपका तनाव बढेगा। कुछ लोगों को जितना भी काम मिलता जाता है, लालच अथवा दूसरों से होड़ा–होड़ में लेते जाते हैं। ज्यादा मेहनत करना अच्छी बात है लेकिन अपने हाथ में काम उतना हीं लें जितना आप बिना किसी तनाव में आये समय पर पूरा कर सकें। अपनी क्षमता से ज्यादा काम लेने से आप काम करते वक्त तनाव में रहेंगे, जिससे आपके साथ साथ आपके घरवाले भी तनाव में रहेंगे जिसका बुरा प्रभाव सब पर पड़ेगा और आपके काम कि क्वालिटी भी ख़राब होगी जिसके चलते आपको अलग से तनाव झेलना होगा।

सिर्फ काम न करें अपना मन भी बहलायें

आज के ज़माने में घर की जरूरतें पूरी करने के लिए कई लोगों को ज्यादा से ज्यादा काम करने की जरुरत होती है। लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि आप हर वक़्त सिर्फ काम हीं करते रहें। सिर्फ काम करते रहने से आपकी स्फूर्ति कम होती जाएगी और आप पर तनाव हावी होता जायेगा। इसलिए आप चाहे जितना भी काम करें, कुछ समय के लिए मन बहलाने वाली चीजों में भी मन लगायें। इससे आप तनाव से बचे रहेंगे साथ ही साथ आपकी कार्य क्षमता भी बढ़ेगी। म्यूजिक सुनें, फ़िल्म देखें, कोई खेल खेलें, दोस्तों या परिवार के साथ या अपने किसी खास दोस्त के साथ गप्पे लड़ाएं या कहीं घूमने जायें या किसी अन्य गतिविधि में लिप्त हों जिसमें आपका मन लगता हो।

व्यायाम, योग या मेडीटेशन करें

नियमित रूप से योग, व्यायाम या मेडीटेशन करते रहने से आप तनाव से बचे रहेंगे। स्ट्रेस से बचना है तो आपको पर्याप्त नींद लेनी होगी। अपर्याप्त नींद तनाव के साथ साथ ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर बढ़ाती है एवं कई रोगों को भी जन्म देती है। पानी पीने से तनाव बहुत कम होता है। अतः जब भी आप तनाव में हों, पानी पीयें। भरपूर पानी पीते रहने से तनाव आपसे दूर ही रहता है।

प्रार्थना से दूर होता है तनाव

तनाव से निपटने के लिए आप क्या–क्या नहीं करते। व्यायाम से लेकर डॉक्टरी सलाह तक। लेकिन, इन सबके अलावा भी एक अन्य उपाय है। जो आसान होने के साथ–साथ बेहद कारगर भी है और वो है प्रार्थना।

आपने कभी तनाव करने के लिए प्रार्थना का सहारा लिया है। जी, प्रार्थना से न सिर्फ तनाव का स्तर कम होता है, बल्कि यह कई बीमारियों से बचाने में भी मददगार साबित होती है।

एक नए शोध के मुताबिक प्रार्थना मन के साथ–साथ शरीर को भी स्वस्थ रखती है। साथ ही इससे उम्र में भी इजाफा होता है। यही नहीं प्रार्थना करने से ब्लड प्रेशर भी नियंत्रित रहता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में हुए इस शोध में पाया गया कि धार्मिक प्रवृत्ति के लोगों में कई तरह की बीमारियां होने की आशंका भी कम होती है।

जीवनशैली पर पूजा का प्रभाव

नियमित रुप से पूजा और प्रार्थना करने से मन में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। और प्रार्थना करने वाला व्यक्ति भीतर से अच्छा और बेहतर महसूस करता है। इससे जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलता है। आजकल अनियमित जीवन शैली कई रोगों की मुख्य वजह है। जब आप पूजा व प्रार्थना को अपने जीवन में एक आदत के तौर पर शामिल करते हैं तो निश्चित ही आप अपने अंदर अच्छा बदलाव महसूस करेंगे।

शेष पृष्ठ 27 पर

पर्यटन स्थल

चाँद बावड़ी

–स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

चाँद बावड़ी जयपुर के निकट दौसा ज़िले के आभानेरी नामक ग्राम में स्थित एक सीढ़ीदार कुआँ है। यह सीढ़ीदार कुआँ 'हर्षत माता मंदिर' के सामने स्थित है और भारत ही नहीं, अपितु विश्व के सबसे बड़े सीढ़ीदार और गहरे कुओं में से एक है।

इतिहास

इस बावड़ी का निर्माण 9वीं शताब्दी में किया गया था। इसमें 3,500 संकरी सीढ़ियाँ हैं और ये 13 तल ऊँचा और 100 फुट या 30 मीटर गहरा है। ये अविश्वसनीय कुआँ उस समय जल की कमी से जूझ रहे इस क्षेत्र की जल समस्या का एक व्यावहारिक समाधान था। इस स्थान की शुष्क जलवायु ने स्थानीय लोगों को एक ऐसे कुएं की खुदाई के लिए विवश किया, जिस पर वर्ष भर जल के लिए निर्भर रहा जा सके। दंतकथाओं के अनुसार यह कुआँ एक रात में भूतों द्वारा खोदा गया और इसमें इतनी सीढ़ियाँ हैं की यदि एक सिक्का नीचे गिर जाये तो उसे खोज पाना संभव नहीं है।

आभानेरी

आभानेरी गाँव, जयपुर–आगरा मार्ग पर स्थित एक छोटा क़स्बा है। यह जगह रोमांचक बावड़ियों और हर्षत माता मन्दिर के लिये प्रसिद्ध है। आभानेरी का शुरुआती नाम था 'आभा नगरी', अर्थात 'चमकने वाला शहर'; लेकिन कालान्तर में भाषा के अपभ्रंश की वजह से इसका नाम धीरे–धीरे आभानेरी बन गया। ऐसी मान्यता है कि आभानेरी को राजा चाँद ने बसाया था, हालांकि इस शहर ने प्राचीन काल में कई विभीषिकाएं झेलीं, लेकिन चाँद बावड़ी और माता के मन्दिर की वजह से अब यह राजस्थान आने वाले पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बन गया है। प्राचीन काल में वास्तुविदों और नागरिकों द्वारा जल संरक्षण और वाटर हार्वेस्टिंग हेतु बनाई गई इस प्रकार की कई बावड़ियाँ इस क्षेत्र में मौजूद हैं, जिनमें काफ़ी पानी समाया रहता है जो क्षेत्र के निवासियों के वार्षिक उपयोग हेतु काम आता है। चाँद बावड़ी इन सभी बावड़ियों में सबसे बड़ी और लोकप्रिय है।

बेजोड़ नक़्क़ाशी

दौसा ज़िले के आभानेरी में चाँद बावड़ी और हर्षत माता का मंदिर पत्थरों पर नक़्क़ाशी का एक बेजोड़ नमूना भी है। 'हर्षत माता मंदिर' का निर्माण चौहान वंशीय राजा चांद ने क़रीब 8वीं तथा 9वीं शताब्दी में कराया था। इस मंदिर के पत्थरों पर आकर्षक नक़्क़ाशी में लगभग 33 करोड़ देवी–देवताओं के चित्र बनाए गए थे। विदेशी आक्रमण के हमले में खंडित इस मंदिर के भग्नावशेष यत्र–तत्र बिखरे पड़े है। चांद बावड़ी और हर्षत माता मंदिर यहां का मुख्य आकर्षण हैं।

चाँद बावड़ी के अंदर बनी आकर्षक सीढ़ियाँ कलात्मक और पुरातत्व कला का शानदार उदाहरण है। गुप्त काल के पश्चात तथा मध्य काल के आरंभिक स्मारकों के लिए प्रसिद्ध आभानेरी पुरातात्विक महत्व का प्राचीन ग्राम है। मंदिर के पुजारी के अनुसार मंदिर में छह फुट की नीलम के पत्थर की हर्षत माता की मूर्ति 1968 में चोरी हो गई। किंवदंती है कि हर्षत माता गांव में आने वाले संकट के बारे में पहले ही चेतावनी दे देती थी, जिससे गांव वाले सतर्क हो जाते और

चाँद बावड़ी के प्रमुख आकर्षण

1. यह बावड़ी चारों तरफ़ से 35 मीटर चौड़ी है।
2. ऊपर से नीचे तक पक्की बनी सीढ़ियों के कारण पानी का स्तर चाहे जो भी हो हमेशा आसानी से पानी भरा जा सकता है।
3. चाँद बावड़ी, 100 फ़ीट गहरी, 13 मंज़िला और 3500 सीढ़ियों युक्त है।
4. यह बावड़ी प्रसिद्ध 'हर्षत माता मन्दिर' के सामने स्थित है।
5. यह विश्व की सबसे गहरी और बड़ी बावड़ी है।

माता उनकी हमेशा रक्षा करती थी। इसे समृद्धि की देवी भी कहा जाता है।

महमूद द्वारा आक्रमण

बताया जाता है कि 1021–26 के काल में महमूद ग़ज़नवी ने इस मंदिर को तोड़ दिया था तथा सभी मूर्तियों को खंडित कर दिया था। खंडित मूर्तियां आज भी मंदिर परिसर तथा चाँद बावड़ी में सुरक्षित रखी हुई हैं। जयपुर के राजा ने 18वीं शताब्दी में इसका जीर्णोद्धार करवाया था।

सीढ़ियाँ

इसी तरह चांद बावड़ी का निर्माण भी राजा चांद ने 8 या 9वीं शताब्दी में कराया था। इसे 'अंधेरे उजाले की बावड़ी' भी कहा जाता है। चांदनी रात में यह बावड़ी एकदम सफ़ेद दिखायी देती है। तीन मंजिली इस बावड़ी में राजा के लिए नृत्य कक्ष तथा गुप्त सुरंग बनी हुई है। इसके ऊपरी भाग में निर्मित परवर्ती कालीन मंडप इस बावड़ी के लंबे समय तक उपयोग में रहने का प्रमाण देती है। बावड़ी की तह तक पहुंचने के लिए क़रीब 1300 सीढ़ियाँ बनाई गई हैं, जो अद्भुत कला का उदाहरण पेश करती हैं। यह वर्गाकार बावड़ी चारों ओर स्तंभ युक्त बरामदों से घिरी हुई है। यह 19.8 फुट गहरी है, जिसमें नीचे तक जाने के लिए 13 सोपान बने हुए हैं। भुलभुलैया के रूप में बनी इसकी सीढ़ियों के बारे में कहा जाता है कि कोई व्यक्ति जिस सीढ़ी से नीचे उतरता है, वह वापस कभी उसी सीढ़ी से ऊपर नहीं आ पाता।

सुरंग

बावड़ी की सबसे निचली मंजिल पर बने दो ताखों में स्थित गणेश एवं महिसासुर मर्दिनी की भव्य प्रतिमाएं इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा देती हैं। इस बावड़ी में एक सुरंग भी है, जिसकी लम्बाई लगभग 17 कि.मी. है, जो पास ही स्थित गांव भांडारेज में निकलती है। कहा जाता है कि युद्ध के समय राजा एवं उनके सैनिकों द्वारा इस सुरंग का इस्तेमाल किया जाता था। क़रीब पांच साल पहले इसकी खुदाई एवं जीर्णोद्धार का कार्य कराया गया था। उसमें राजा चांद का उल्लेख किया हुआ एक शिलालेख भी मिला था।

आभानेरी महोत्सव

आभानेरी के महत्व को बढ़ाने के लिए 'भारतीय पुरातत्व विभाग' विदेशी पर्यटकों को यहाँ लाने के लिए अपने प्रयास कर रहा है। विभाग की ओर से यहाँ हर वर्ष 'आभानेरी महोत्सव' के नाम से तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसमें राजस्थान सहित देशभर के कलाकार यहाँ अपनी कला की प्रस्तुति देते हैं। यही नहीं विभाग की ओर से पर्यटकों के लिए यहाँ विदेशी दूब युक्त पार्क भी बनाया गया है। इसकी उचित देखभाल तथा रखरखाव के लिए यहाँ विभाग ने अपने कर्मचारी भी तैनात कर रखे हैं।

हॉलीवुड व बॉलीवुड से संबंध

विदेशी पर्यटकों के साथ–साथ आभानेरी अंग्रेज़ी फ़िल्मों तथा हिन्दी फ़िल्मों में भी छाई हुई है। अंग्रेज़ी फ़िल्म 'दी फ़ॉल' व प्रसिद्ध हिन्दी फ़िल्म 'भूल भूलैया' सहित अन्य कई फ़िल्मों की शूटिंग आभानेरी में हो चुकी है। चाँद बावड़ी की सीढ़ियों पर कई कलाकार भी थिरक चुके हैं।

पृष्ठ 25 का शेष

तनाव : बचाव में ही उपचार

विशेषज्ञों की मानें तो पूजा और संगीत व्यक्ति में बढ़ रहे दबाव का स्तर कम करते हैं। इसका मतलब है ये गतिविधियां जीवन में संतुलन बनाये रखती हैं। प्रार्थना का सकारात्मक प्रभाव देखने के लिये जरूरी है कि उसे दिल से किया जाए। नियमित योग करने वाले लोग जो हमेशा फिट रहते हैं वह भी एक किस्म की पूजा प्रार्थना ही कर रहे होते हैं।

नोएटिक थैरेपी अपनाएं

नोएटिक (मंत्र, संगीत, स्पर्श और प्रार्थना) थैरेपी वह थैरेपी होती है जिसमें बिना दवाई, उपकरण और सर्जरी के इलाज किया जाता है। कई मरीजों पर नोएटिक थैरेपी का इस्तेमाल करने से पाया गया है कि वह, जो सिर्फ दवाई लेते हैं, उनके मुकाबले इनके 30 प्रतिशत ज्यादा सही होने की संभावना होती है साथ ही इन लोगों में एक आश्वासन इस बात का भी होता है कि ये मरीज लंबे समय तक बीमार नहीं पड़ते।

प्रार्थना के अन्य लाभ

- ✓ प्रार्थना करने से मन स्थिर और शांत रहता है। क्रोध पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है।
- ✓ इससे स्मरण शक्ति और चेहरे की चमक बढ़ती है।
- ✓ प्रार्थना से मन में सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है, जिससे मन निरोगी बनता है।
- ✓ शोध में पाया गया है नियमित तौर पर ईश्वर का ध्यान करने और प्रार्थना करने से रक्त संचार दुरुस्त रहता है।
- ✓ सामूहिक तौर पर प्रार्थना करने से व्यक्ति के मन में एकता का भाव बढ़ता है और अकेलापन दूर होता है।
- ✓ धार्मिक स्थल तक पैदल चल कर जाने से व्यायाम भी हो जाता है।
- ✓ प्रतिदिन प्रार्थना करने से व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है, जिससे एकाग्रता आती है।

नोट : उपलब्ध सभी साम्रगी केवल पाठकों की जानकारी और ज्ञानवर्धन के लिए दी गई है। हमारा आपसे विनम्र निवेदन है कि किसी भी उपाय को आजमाने से पहले अपने चिकित्सक से अवश्य संपर्क करें। हमारा उद्देश्य आपको रोचक और ज्ञानवर्धक जानकारी मुहैया कराना मात्र है। आपका चिकित्सक आपकी सेहत के बारे में बेहतर जानता है और उसकी सलाह का कोई विकल्प नहीं है।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में दक्षता बैज 'मरूवासी' बैज की जानकारी दी जा रही है।

मरूवासी
Desert Folk

मरूवासी दक्षता बैज के लिए निम्नलिखित जानकारी होनी चाहिए–

(1) मरूभूमि में जीवन :– स्वयं के अध्ययन और मरू जीवन का अवलोकन करने के आधार पर निम्न के बारें में जाने –

(i) भौगोलिक परिस्थितियाँ–भूमि, नदियाँ, जलवायु आदि।

(ii) निवासियों की दैनिकचर्या

(iii) जीवन स्तर व पद्धति, सामान्यतया पहने जाने वाली गणवेष, भोजन–सम्बन्धी आदतें इत्यादि।

(iv) लोगों की सामान्य आदतें, विशेष रीति–रिवाज, मान्यताएँ, धर्म, अन्धविश्वास, सामाजिक बन्धन।

(v) जीवन–यापन के तरीके।

(vi) प्रकृति द्वारा उत्पन्न की गई लोगों की सामान्य समस्याएँ तथा उनके समाधान के तरीके।

उपरोक्त से सम्बन्धित तीन भ्रमण करें तथा उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें यह रिपोर्ट उसके गाँव या शहर के चारों ओर 24 कि. मी. क्षेत्र से सम्बन्धित होना चाहिए। साथ ही इस रिपोर्ट में गाँव से सम्बन्धित घरों, मार्गो, जल स्थान, नखलिस्तान तथा उस क्षेत्र में शिविर लगाने के स्थानों की सूचना सम्मिलित हों।

(2) प्रकृति अध्ययन–

(i) क्षेत्र के मौसम की भविष्यवाणी सम्बन्धी प्रचलित कहावतों और लोकोक्तियों की जानकारी होनी चाहिए तथा उनका संग्रह भी करना चाहिए। इन लोकोक्तियों को अपने निजी अवलोकन के आधार पर एक लॉग बुक तैयार करें।

(ii) हवा के वेग की जानकारी हो।

(3) जल और सिंचाई–

(i) सिंचाई की विधियों और पानी साफ करने के तरीकों को जाने तथा दूषित जल के उपयोग से होने वाले खतरों की जानकारी रखे। पानी की कमी की स्थिति को दूर करने के लिए दी जाने वाली सरकारी सहायता की जानकारी रखे।

(ii) क्षेत्र की मुख्य फसलों व अनाज के सिंचाई हेतु प्रयोग में आने वाले नहर या बाँध तथा पानी को मैदान में संरक्षित करने के बारे में जाने।

(4) हस्तकला अपने क्षेत्र में उपलब्ध प्राकृतिक सामग्री से रस्सी का एक टुकड़ा तैयार करे या चारपाई की बुनाई करे अथवा एक अनुकृति (माडल) या एक छप्पर बनाए और इसका उपयोग दिखाए।

(5) भ्रमण (हाइक)

(i) भ्रमण के माध्यम से मरूस्थलीय क्षेत्र का विशिष्ट प्राकृतिक उल्लेखनीय बातों, यथा–मृगतृष्णा और भँवरी (भुस्खलन) आदि की जानकारी प्राप्त करे।

(ii) कम–से–कम 51 घंटे टिड्डी–विरोधी अभियान सेवा कार्य करें या किसी भी प्रकार की स्वीकृत समाज सेवा करें। ■

CELEBRATIONS DAYS : NOVEMBER-DECEMBER 2023

24 October	:	World Polio Day
31 October	:	National Unity Day
07 November	:	Scout/Guide Flag Day
14 November	:	National Children Day
26 November	:	World Environment Protection Day
07 December	:	Flag Day
10 December	:	World Human Rights Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

हमारे महापुरुष

शूरवीरता व साहस के धनी

वीर राव अमर सिंह राठौड़

–विजय सिंह माली

वीर धरा राजस्थान के शूरवीरों ने अपने शौर्य, पराक्रम, त्याग, स्वाभिमान और बलिदान से गौरवमय इतिहास बनाया। ऐसे ही शूरवीरता व साहस के धनी वीरों में नागौर के राव अमरसिंह राठौड़ का नाम अग्रणी है। वीर अमरसिंह राठौड़ का जन्म जोधपुर के महाराजा गज सिंह की सोनगरी रानी मनसुख देवी की कोख से रविवार पोष सुदि। विक्रम संवत 1670 तदनुसार 12 दिसम्बर 1613 को हुआ। अमरसिंह बचपन से ही चंचल, उग्र व स्वाभिमानी स्वभाव के थे। उन्होंने अनेकानेक शाही अभियानों में बड़ी वीरता एवं साहस के साथ भाग लेकर अपने को तलवार का धनी सिद्ध करते हुए शौर्य का लोहा मनवाया। महाराजा गजसिंह की पासवान अनारा बेगम के कहने व इनके उग्र स्वभाव के कारण उन्हे ज्येष्ठ होने के बावजूद जोधपुर के राज्याधिकार से वंचित रहना पडा। 16 मई 1638 में महाराजा गजसिंह की मृत्यु के बाद शाहजहां ने इन्हें नागौर का परगना राव की पदवी देकर 3 हजारी जात, 3 हजार सवार का मनसव प्रदान किया। नागौर का परगना मिलने के बाद इन्होंने अल्पकाल में ही अपने राज्य को प्रशासनिक व सामारिक दृष्टि से सुदृढकर नागौर के शासक के रूप में अपनी पहचान बनाली तथा शाही सेवा में रहने लगे। अमरसिंह ने ओरछा नरेश जुंझार सिंह के विरूद्ध, दक्षिण में शाहू भोंसले के विरूद्ध, पठानकोट के राजा जगतसिंह के विरूद्ध सैन्य अभियानों में भी अप्रतिम शौर्य का प्रदर्शन किया। इन्हे ईरान के शाही के कंधार अभियान का प्रतिरोध करने लिए भी शाही सेना के साथ भेजा गया। बादशाह शाहजहां ने इनकी योग्यता पहचानकर इनका मनसव बढाकर 4 हजारी जात व 3 हजारी सवार कर दिया।

1642 ई. में नागौर व बीकानेर के बीच मामूली सीमा विवाद ने भयकंर रूप ले लिया। इतिहास में यह लड़ाई मतीरे की राड के नाम से प्रसिद्ध हुई। अमरसिंह की गैर मौजूदगी में हुई इस लड़ाई में अमरसिंह के पक्ष के कई वीर युद्ध में काम आए। इस घटना ने अमरसिंह को झकझोर कर रख दिया। अब वे बीकानेर महाराजा से इसका प्रतिशोध लेने की सोचने लगे लेकिन शाहजहां के प्रधानमंत्री सलावत खॉ के हस्तेक्षप के चलते यह सम्भव नहीं हो पाया। अमरसिंह मुगल दरबार से चले गये। काफी समझाने बुझाने पर पुनः 25 जुलाई 1644 मुगल दरबार में उपस्थित हुए तो सलावत खॉ ने पुरानी घटना का स्मरण कराकर अपमानित करना चाहा तो अमरसिहं ने सलावत खॉ को आँख दिखाई इस पर सलावत खाँ ने अमरसिंह को 'गंवार' कहना चाहा। स्वाभिमानी अमरसिंह इसे कैसे सहन करते। सलावत खाँ के मुख से 'ग' शब्द ही निकला था कि अमरसिहं की कटार बाहर आ गयी थी और वार करने से पहले ही सलावत खाँ के पेट में पार हो गई। इस घटना को लेकर एक दोहा प्रसिद्ध है–

उण मुख ते गग्गौ कह्यो, इण कर लई कटार।
वार कह नहीं पायो, जमदढ हो गयी पार।।

क्रोधित अमरसिंह ने शाहजहां पर भी वार किया लेकिन वह बच कर निकल गया। अमरसिंह मार काट करते हुए किले से घोड़े सहित कूद कर बाहर आ गये तभी खलीखुल्ला खॉ व अर्जुन गौड ने धोखे से उन पर पीछे से वार कर दिया। गिरते गिरते भी अमरसिंह ने अर्जुन गौड़ का कान काट लिया। इसके लिए एक दोहा प्रचलित है–

अमरसिंह गजसिंह के, करी अचल राठौड़।
कान, बाढ, बूचो किया, गुनहगार छै गौड़।।

अब 6–7 शाही मनसबदारों ने राव अमरसिंह को घेर कर तलवार से वार पर वार किये। अमरसिंह उनका वीरता पूर्वक प्रतिरोध करते हुए मात्र 31 वर्ष की आयु में ही वीरगति को प्राप्त हुए। अमरसिंह की वीरगति के समाचार को सुनकर राजपुत वीरों का खून खौल उठा। बल्लू चम्पावत के नेतृत्व में बुखारा दरवाजा से किले में प्रवेश कर मुगल सैनिकों को मारकर अमरसिंह की लाश उठाई व किले की बुर्ज से ही घोड़े को कूदाकर कर लाश उनकी रानियों को सौप दी। कालान्तर में बल्लू चम्पावत की वीरता के गीत लोकगीतों में भी गाये गये। 26 जुलाई 1644 को आगरा में ही यमुना नदी के किनारे राव अमरसिंह का अन्तिम संस्कार किया गया।

अमरसिंह राठौड़ क्षत्रियत्व के प्रतीक व जन जन के नायक बन गये। यह स्वभिमानी वीर जन जन की श्रद्धा व प्रेरणा का आधार बन कर सदा के लिए अमर हो गया। अमरसिंह की वीरता को लेकर राजस्थान में ख्याल व कठपुतली का खेल खेला जाने लगा। आज भी यश कीर्ति कायम है। निसंदेह शौर्य, स्वाभिमान, पराक्रम व आत्मसम्मान युक्त उनकी जीवनगाथा सदैव हमें प्रेरित करती रहेगी।

पाव सेर लोह से हिलाई सारी पतसाही।।
होती शमसेर तो छिनाय ले तो आगरौ।।

प्रेरक जानकारी

आहार

केवल भोजन ही आहार नहीं है, अपितु इन्द्रियों के माध्यम से जो भी बाहर से भीतर लिया जाता है वह तमाम आहार है। भोजन शरीर के अन्नमय कोष की ऊर्जा का कारण बनता है तथा अन्य एन्द्रिक (ज्ञानेन्द्रिय) आहार मनोमय कोष की ऊर्जा के हेतु बनते हैं। बुद्ध पुरूषों द्वारा उपदेशित तथा ज्ञानग्रन्थों से लिया गया ज्ञान भी आहार है।

जिस प्रकार भोज्य आहार पाचन के पश्चात् शरीर को विभिन्न रस बनकर उसे ऊर्जा देता है, ठीक वैसे ही बाहर से लिया ज्ञान–आहार भी चिन्तन, मनन तथा आचरण की प्रक्रिया से पाचित होकर ही आत्मिक (आध्यात्मिक) ऊर्जा (तेज) बनता है। बिना इस पाचन के यह पुस्तकीय शाब्दिक ज्ञानोपदेश शब्दोच्छिष्टता से ज्यादा नहीं है।

अतः शरीर की इन्द्रियों के आहार को भी पहचाने।

गतिविधि पञ्चांग

राज्य स्तरीय पञ्चांग

प्रस्तावित

गतिविधि का नाम	स्थान	दिनांक
भारत स्काउट/गाइड स्थापना दिवस	ग्रुप/स्थानीय संघ/सभी स्तर	07.11.2023 तक
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न.1	21 से 25.11.2023 तक
पुष्कर मेला सेवा शिविर	पुष्कर, अजमेर	23 से 27.11.2023 तक
कोलायत मेला सेवा शिविर	कोलायत, बीकानेर	25 से 27.11.2023 तक
कब/बुलबुल एक रात्रि शिविर	स्थानीय संघ स्तर पर	30.11.2023 तक
द्वितीय/तृतीय सोपान स्काउट/गाइड जाँच शिविर	स्थानीय संघ स्तर पर	30.11.2023 तक
ग्रामीण रोवर/रेंजर निपुण प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30.11.2023 तक
निःशक्तजन स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर पर	30.11.2023 तक
अनाथालय स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर पर	30.11.2023 तक
अनुसूचित जाति स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30.11.2023 तक
विश्व एड्स दिवस-(संगोष्ठी/वार्ताएं)	ग्रुप स्तर पर	01.12.2023
मानवाधिकार दिवस	ग्रुप/स्थानीय संघ स्तर	10.12.2023 तक
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न. 1	21 से 25.12.2023 तक
नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला स्तर	प्रतिमाह
स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	जिला स्तर	प्रतिमाह
MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 5)	जिला स्तर	प्रतिमाह

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
Renewal Get-Together	29th Oct. - 05th Nov. 2023	Mexico
Global Friendship Week	26th Nov. - 01st Dec.2023	London, United Kingdom
51st Asia-Pacific Regional Basic Management Course for Scout Executives	20 - 30 November, 2023	Thailand
Asia-Pacific Sub Regional Online Scout Youth Forum for South Asia	07 - 09 December, 2023	Ganganagar, West Bengal
10th National Jamboree - 2024 - Sri Lanka	20 - 26 February, 2024	Trincomalee

National Headquarters website : www.bsgindia.org

माउंट आबू में 6 से 10 अक्टूबर, 2023 तक आयोजित राज्य स्तरीय राष्ट्रपति अवार्ड रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर के संचालक व संभागीगण

स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत मानव श्रृंखला बनाकर मतदान का संदेश देती सीकर की गाइडर्स

जयपुर में द्वितीय तृतीय सोपान शिविर में योगाभ्यास करते हुए स्काउट

जयपुर के बनीपार्क मुख्यालय में तृतीय सोपान गाइड प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त करती हुई गाइड्स

राज्य स्तरीय जनजाति महोत्सव शिविर में साहसिकता का परिचय देते रोवर व रेंजर (ऊपर) तथा शिविर के संभागी व संचालक दल का समुह फोटो (नीचे)

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141–2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे–97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर–302004 फोन : 0141–2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह
प्रकाशन – प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835

प्रेषक :–
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर–302015
फोन : 0141–2706830, 2941098
ई–मेल : scoutguidejyoti@gmail.com

Follow us on : facebook.com/scoutguidejyoti